रायपुर

रायपुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-285

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

मुसलमानों ने 3 पीढ़ियों तक साथ देकर अपना नुकसान किया



नई दिल्ली। आने वाले क्रविधानसभा चुनावों परAIMIM अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। ओवैसी ने कहा, मुसलमानों ने 2-3 पीढ़ियों तक समाजवादी पार्टी का साथ देकर अपना ही नुकसान किया है। उन्होंने आजमगढ़ को क्या दिया। उन्होंने शिबली कॉलेज को यूनिवर्सिटी का दर्जा क्यों नहीं दिया? ओवैसी ने कहा, अब एक नई सोच सामने आई है। मुसलमान अब सिर्फ दूसरों को नेता बनाने के बजाय खुद नेता बनना चाहते हैं। वे सिर्फ कालीन बिछाने का काम नहीं करना चाहते। वे सत्ता में हिस्सेदारी चाहते हैं। ये एक बहुत बड़ा बदलाव है ।

विपक्ष का सुप्रीम कोर्ट मार्च- राहुल-प्रियंका खुली गाड़ी में सवार



नई दिल्ली।SIR और CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक विपक्ष का मार्च शुरू हो गया है। राहुल समेत विपक्ष के नेता गाड़ी में बैठकर कोर्ट तक जा रहे हैं। इनमें अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, आइसा की नेता नेहा बोरा भी शामिल हैं।मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है।

देश में पहली बार इलेक्ट्रिक व्हीकल से बिजली सप्लाई होगी



नई दिल्ली। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल यानी EV से यात्रा करने के साथ उसकी बैटरी का इस्तेमाल घर में बिजली सप्लाई करने के लिए भी कर सकते हैं। बॉम्बे की ग्रिड इंटीग्रेशन लैब ने IIT कैंपस में तीन साल तक प्रयोग किए। इस दौरान दिन में इलेक्ट्रिक कार सोलर पैनल से चार्ज होती और रात में एक प्रोफेसर के घर में बिजली सप्लाई करती।इसने घर के सभी उपकरणों का लोड उठाया और प्रोफेसर के बिजली बिल में करीब 30त्न की कमी भी आई। EV की बैटरी से घर में बिजली सप्लाई करने को व्हीकल टू होम और वापस ग्रिड को बिजली भेजने को व्हीकल टू ग्रिड कहते हैं। IIT बॉम्बे ने देश में पहली बार यह प्रोजेक्ट बनाया।अब केरलम में इस परियोजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है।

दिल्ली से चेन्नई जा रहे विमान में आग लगी



नई दिल्ली। धुआं निकलता देख यात्रियों ने क्रू को खबर दी। इसके बाद प्लेन को हैदराबाद डायवर्ट कर इमरजेंसी लैंडिग करवाई गई।इंडिगो ने कहा कि आग लगने का पता चलते ही केबिन क्रू ने स्थिति को काबू में कर लिया। इसके बाद पायलटों ने विमान को डायवर्ट किया।इंडिगो ने बताया कि यात्रियों को चेन्नई पहुंचाने के लिए एक दूसरे विमान की व्यवस्था की गई। प्लेन में लगभग 180 यात्री और सात क्रू मेंबर सवार थे।इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें यात्री फायर-फायर चिल्लाते नजर आ रहे हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पर्यटन समिति की बैठक आयोजित

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, परिसर में अत्याधुनिक बायोसेफ्टी प्रयोगशाला स्थापित

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, परिसर में अत्याधुनिक बायोसेफ्टी प्रयोगशाला स्थापित

छत्तीसगढ़ में जैव-सुरक्षा अनुसंधान को मिलेगी नई ऊंचाई, बीएसएल-3 प्रयोगशाला से खुलेंगे वैज्ञानिक नवाचार के नए द्वार ः मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

संक्रामक रोगों की पहचान, रोकथाम और वैक्सीन अनुसंधान को मिलेगी गति

कृषि, पशुपालन और मानव स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण उपलब्धि

एक सत बुलेटिन ➢ रायपुर



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर परिसर में स्थापित अत्याधुनिक बायोसेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशाला छत्तीसगढ़ में उच्चस्तरीय जैव-सुरक्षा अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ ही वैज्ञानिक नवाचार और संक्रामक रोगों की रोकथाम के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला के माध्यम से संक्रामक रोगजनकों की पहचान, उनके वैज्ञानिक अध्ययन, वैक्सीन एवं उपचार संबंधी अनुसंधान तथा उन्नत नैदानिक तकनीकों के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में वैज्ञानिक अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं का विस्तार राज्य के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन आधारित अर्थव्यवस्था वाले छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की उच्चस्तरीय वैज्ञानिक सुविधा का विशेष महत्व है।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी द्वारा नवनिर्मित सुभाषचंद्र बोस बायोटेक इन्क्यूबेशन सेंटर के अंतर्गत स्थापित बायोसेफ्टी लेवल-3 प्रयोगशाला का लोकार्पण विगत 28 सितंबर को किया गया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. गिरीश चंदेल के प्रयासों की सराहना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीएसएल-3 प्रयोगशाला के माध्यम से पौधों, पशुओं और मानव स्वास्थ्य से जुड़े संक्रामक रोगों, विशेषकर पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले जूनोटिक रोगों के अध्ययन एवं निगरानी को नई गति मिलेगी। यह सुविधा गंभीर संक्रामक रोगों की शीघ्र पहचान, रोग प्रकोप से निपटने की तैयारी और उन्नत नैदानिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने में उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

उन्होंने कहा कि इस अत्याधुनिक प्रयोगशाला में उच्च जैव-सुरक्षा मानकों के अनुरूप नियंत्रित वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे वैज्ञानिकों और शोधार्थियों को संक्रामक रोगजनकों के अध्ययन तथा वैक्सीन एवं उपचार संबंधी अनुसंधान के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे राज्य में कृषि जैव-प्रौद्योगिकी, पशु स्वास्थ्य और संक्रामक रोग अनुसंधान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण के परस्पर संबंधों पर आधारित वन हेल्थ दृष्टिकोण को मजबूत बनाने में भी यह प्रयोगशाला महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में रोगों की निगरानी और वैज्ञानिक समाधान विकसित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

श्री साय ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पहले से ही कृषि अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विश्वविद्यालय की फाइटोसैनिटरी प्रयोगशाला कृषि नमूनों, मृदा, जल, फसल अवशेषों तथा अन्य नमूनों के परीक्षण एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बीएसएल-3 प्रयोगशाला की स्थापना से विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमताओं को और अधिक मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सुविधा से वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, प्रयोगशाला तकनीशियनों एवं संबंधित विशेषज्ञों को उच्च जैव-सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण और अनुसंधान के अवसर मिलेंगे। इससे राज्य में कुशल वैज्ञानिक मानव संसाधन विकसित करने के साथ ही आधुनिक अनुसंधान तकनीकों के विस्तार को प्रोत्साहन मिलेगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि बीएसएल-3 प्रयोगशाला भविष्य में संक्रामक रोग अनुसंधान, रोग निगरानी, जैव-सुरक्षा, पशु एवं जूनोटिक रोगों के अध्ययन तथा रोग प्रकोप से निपटने की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अधोसंरचना के रूप में विकसित होगी। इससे छत्तीसगढ़ में उच्चस्तरीय जैव-सुरक्षा अनुसंधान को नई गति मिलने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमता और पहचान को भी मजबूती मिलेगी।

वकीलों की हिरासत और इंटरनेट बंद करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कल होगी सुनवाई

एजेंसी ➢ नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कोर्ट के कामकाज में रुकावट और इंटरनेट सेवाओं को बंद करने जुड़ी स्ष्क्रऔर अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किए गए विरोध-प्रदर्शन के दौरान वकीलों की हिरासत, कोर्ट के कामकाज में रुकावट और इंटरनेट बंद करने के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। ये याचिका सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और अन्य लोगों की तरफ से दायर की गई है। कोर्ट इस मामले पर कल यानी मंगलवार (13 अक्टूबर) को सुनवाई करेगा।

अध्यक्ष और सीनियर वकील प्रदीप राय ने कहा कि दिल्ली में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच वकीलों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, और इस दौरान इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी जा रही हैं। की बेंच के सामनेऔर इंटरनेट बंद किए जाने से जुड़ी अपनी याचिका का ज़िक्र किया।

'जय जवान, जय किसान' की नई मिसाल!

सेना के लिए लॉन्च हुआ 'भारत राइस', जानिए क्या है खास

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

देश की सीमाओं पर तैनात जवानों को बेहतर गुणवत्ता वाला चावल उपलब्ध कराने के लिए भारतीय सेना ने 'भारत राइस' पहल की शुरुआत की है। दिल्ली में सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में इसे लॉन्च किया गया। यह उच्च गुणवत्ता वाला चावल सीधे सैनिकों के आपूर्ति डिपो तक पहुंचाया जाएगा। इसको लेकर सेना और स्नष्ट्ठ के बीच समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर 'भारत राइस' को एक ऐसे भरोसे के बंधन के रूप में वर्णित किया जो किसान के खेत से शुरू होकर सैनिक की थाली तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि यह पहल 'जय जवान, जय किसान' की भावना को मूर्त रूप देती है, क्योंकि यह एक सामूहिक संकल्प का प्रतीक है जहां किसान की मेहनत सैनिक की शक्ति में बदल जाती है।

दुर्गम क्षेत्रों में राशन पहुंचाने में राहत मिलेगी

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं और सैनिकों का कल्याण राष्ट्रीय सुरक्षा के अभिन्न अंग हैं। यह उच्च गुणवत्ता वाला चावल सीधे सेना के आपूर्ति डिपो में



सेना-स्नष्ट्ठ के बीच पांच सालों के लिए समझौता

'भारत राइस' पहल आपूर्ति एवं परिवहन महानिदेशालय के नेतृत्व में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य राशन की गुणवत्ता में सुधार करना है। चावल को निर्धारित रक्षा मानकों के अनुसार पीसा जाएगा और वित्त 2026-27 के दौरान ह्लस्नश्वष्ठ के माध्यम से इसकी आपूर्ति की जाएगी। इसकी आवश्यक गुणवत्ता नियंत्रण जांच की जाएगी और यह विदेशी पदार्थों और मिलावटों से मुक्त होगा।बीच लगभग 18 महीनों के समन्वय के बाद शुरू की गई है।

केरलम मिनी कूपर हादसे के बाद बोला ड्राइवर-पापा संभाल लेंगे

3 स्टूडेंट्स की मौत; बर्थडे पर मिली थी लग्जरी कार, 200द्मद्ध की स्पीड से चलाता था

कोच्चि। केरलम के कोच्चि में तेज रफ्तार मिनी कूपर कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत मामले में ड्राइवर का बयान सामने आया है। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के बाद जब उन्होंने आरोपी कार चालक सुहैल सजीव को रोका तो उसने कहा कि उसके पिता सब संभाल लेंगे।कोच्चि के नेदुम्बस्सेरी इलाके में रविवार रात मिनी कूपर कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे में स्कूटर सवार तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 21 साल के इयास, देविका और गोपिका के रूप में हुई है। पुलिस ने सुहैल को गिरफ्तार किया है और उसके तीन साथियों को भी आरोपी बनाया है। पुलिस के मुताबिक, सुहैल शराब के नशे में था। ये लग्जरी कार उसकी मां ने जन्मदिन पर दी थी। उसके 200kmph से ज्यादा की रफ्तार से कार चलाने के वीडियो भी सामने आए हैं।पुलिस के अनुसार, हादसे के वक्त कार में सुहैल के अलावा निनव, अमीर और जोएल भी मौजूद थे। सुहैल और निनव ने एर्नाकुलम के एक बार में शराब पी थी। बाद में अमीर और जोएल भी उनके साथ शामिल हो गए।

ताकतों से हाथ मिला रही है जो देश को तोड़ना चाहती हैं

कांग्रेस की हार का कारण ईवीएम नहीं, उसका विचार शून्य नेतृत्व है, बोले शिवराज चौहान

एजेंसी ➢ नई दिल्ली

कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हार रही है और अपनी पराजय की खींच में सड़कों पर प्रदर्शन कर रही हैअ पार्टी अपनी असफलताओं का दोष संवैधानिक संस्थाओं पर मढ़ने का काम करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस की हार का कारण चुनाव आयोग नहीं, बल्कि उसका विचार शून्य नेतृत्व हैअ उत्तर प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में कांग्रेस की अंदरूनी कलह और गुटबाजी किसी से छिपी नहीं हैअ इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने दर्जनों बार चुनी हुई सरकारों को गिराया है और देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा था।



कई राज्यों से गायब हो चुकी कांग्रेस

शिवराज ने कहा, ÷कांग्रेस पिछले कई वर्षों से संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही है और अपनी हार के लिए उन्हें दोषी ठहरा रही है, जबकि इसके लिए खुद उसका नेतृत्व जिम्मेदार है, क्योंकि वह %विचार-शून्य% है।÷ उन्होंने कहा, ÷प्रधान न्यायाधीश से मिलने के लिए भी एक खास प्रक्रिया होती है। आप बस एक पत्र लिखकर जब चाहें, तब उनसे मिलने नहीं जा सकते। यह सिर्फ नौटंकी है, विशुद्ध नौटंकी, कुछ और नहीं, बस नौटंकी।÷ चौहान ने कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व की कमी है और पार्टी विचार शून्य हो गई है।

संवैधानिक संस्थाओं और सेना पर हमले कर रही है कांग्रेस

शिवराज ने आरोप लगाते हुए कहा, %कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रही है, झूठ बोलकर सड़कों पर अराजकता और दंगे फैला रही है, और पिछले दरवाजे से सत्ता में लौटने की कोशिश कर रही है. जब कोर्ट के फैसले खिलाफ होते हैं, तो कांग्रेस ज्यूडिशियरी पर हमला करती है. जब वो चुनाव हारते हैं, तो वो इलेक्शन कमीशन पर हमला करते हैं, और जब सेना आतंकवादियों से निपटती है, तो वो सिक्योरिटी फोर्स को निशाना बनाते हैं।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस उन ताकतों से हाथ मिला रही है जो देश को तोड़ना चाहती हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक 14 अक्टूबर को

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों के विश्लेषण तथा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए 14 अक्टूबर बुधवार को सुबह 10 बजे जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) पेंड्रा में प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में त्रैमासिक परीक्षा के परिणामों की समीक्षा के साथ ही विद्यालयों में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों तथा शासकीय एवं अशासकीय हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं प्राचार्यों को पूर्व में निर्धारित एजेंडावार जानकारी के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।



सेवा की कहानी - पीएम आवास योजना से रतना नाग के परिवार को मिला सुरक्षित आशियाना, खुशहाल हुआ जीवन

रायपुर, प्रधानमंत्री आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और पक्का आवास उपलब्ध कराने के साथ उनके जीवन में खुशहाली लाने का माध्यम बन रही है। इस योजना से लाभान्वित बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड के ग्राम कुरन्दी निवासी श्रीमती रतना नाग आज अपने परिवार के साथ पक्के मकान में सुकून का जीवन व्यतीत कर रही हैं। कभी झोपड़ीनुमा खपरैल मकान में रहने वाली रतना के लिए पक्का घर किसी सपने के सच होने जैसा है। वह अपने परिवार को सुरक्षित आवास की सौगात देने के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करती हैं। रतना नाग एक निर्धन किसान परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनका चार सदस्यीय परिवार पहले झोपड़ीनुमा खपरैल मकान में रहता था। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने और मकान में सीलन होने के कारण परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। वहीं सांप और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं के घर में प्रवेश करने का भय भी हमेशा बना रहता था। ऐसे में परिवार के लिए सुरक्षित आवास की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

इसी दौरान वर्ष 2024-25 में ग्राम पंचायत की बैठक के माध्यम से रतना को जानकारी मिली कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों की सूची में उनका नाम भी शामिल है। इसके बाद उन्हें योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन भरने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया। ग्राम पंचायत सचिव ने भी आवेदन प्रक्रिया पूरी करने में सहयोग किया। इसके फलस्वरूप वर्ष 2024-25 में उनके आवास निर्माण को स्वीकृति मिली।

योजना के अंतर्गत रतना नाग को तीन किस्तों में कुल एक लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। इसमें पहली किस्त के रूप में 40 हजार रुपये, दूसरी किस्त में 60 हजार रुपये और तीसरी किस्त के रूप में 20 हजार रुपये मिले। रतना ने अपनी बचत के करीब 20 हजार रुपये भी इस निर्माण में लगाए और अपने परिवार के लिए दो कमरों का पक्का मकान तैयार कराया।

आवास निर्माण के साथ मनरेगा से मिला रोजगार*

रतना नाग के लिए इस योजना का लाभ केवल पक्का मकान मिलने तक सीमित नहीं रहा। आवास निर्माण के दौरान उन्होंने और उनके पति पाकलू ने मनरेगा के तहत मजदूरी कर रोजगार भी प्राप्त किया। इससे परिवार को अतिरिक्त आमदनी हुई और घर बनाने के प्रयास में आर्थिक सहयोग मिला। इस तरह पक्के आवास के साथ परिवार को रोजगार का अवसर भी प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार एवं कौशल परीक्षा 26 से 30 अक्टूबर तक साक्षात्कार

2 नवंबर को होगी कंप्यूटर आधारित कौशल परीक्षा

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत जिले में विभिन्न संविदा पदों पर भर्ती के लिए पात्र अभ्यर्थियों के साक्षात्कार एवं कौशल परीक्षा की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार विभिन्न तकनीकी एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित पदों के लिए 26 से 30 अक्टूबर तक साक्षात्कार तथा प्रबंधकीय पदों के लिए 2 नवंबर को कंप्यूटर आधारित कौशल परीक्षा आयोजित की जाएगी। जारी सूचना के अनुसार डेंटल असिस्टेंट (एनओएचपी) के एक पद हेतु 6 अभ्यर्थी, फिजियोथेरेपिस्ट (एनएचएम) के दो पदों हेतु एक अभ्यर्थी, फार्मासिस्ट (आरबीएसके) के एक पद हेतु 10 अभ्यर्थी, न्यूट्रिशन काउंसलर/फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर (एनआरसी) के एक पद हेतु एक अभ्यर्थी तथा एमओ आयुष महिला (आरबीएसके) के एक पद हेतु 10 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 26 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार नर्सिंग ऑफिसर (एनएचएम) के एक पद हेतु 10 अभ्यर्थी एवं स्टाफ नर्स (एसएनसीयू) के तीन पदों हेतु 30 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 28 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से होगा। स्टाफ नर्स (एनआरसी) के पांच पदों हेतु 50 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 29 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से तथा कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (एएएम/एचडब्ल्यूसी) के 15 पदों हेतु 75 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 30 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जाएगा। इन सभी पदों के लिए साक्षात्कार का स्थान जिला अस्पताल का सभा कक्ष, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही निर्धारित किया गया है।

प्रबंधकीय पदों के लिए 2 नवंबर को कौशल परीक्षा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रबंधकीय एवं कार्यालयीन पदों के लिए कंप्यूटर आधारित कौशल परीक्षा 2 नवंबर को प्रातः 11 बजे से जिला लाइवलीहुड कॉलेज सोसाइटी, आईटीआई परिसर, गौरेला में आयोजित की जाएगी। इसमें अकाउंटेंट (एनएचएम) के एक पद हेतु 10 अभ्यर्थी, ब्लॉक मैनेजर-डेटा (एनएचएम) के एक पद हेतु 10 अभ्यर्थी, सेक्रेटेरियल असिस्टेंट (आईडीएसपी) के एक पद हेतु 10 अभ्यर्थी तथा जूनियर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट (यूएचडब्ल्यूसी) के एक पद हेतु 10 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इस प्रकार चार पदों के लिए कुल 40 अभ्यर्थियों की कौशल परीक्षा निर्धारित है।

मूल दस्तावेज एवं पहचान पत्र लाना अनिवार्य

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने संबंधित सभी पात्र अभ्यर्थियों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने समस्त मूल दस्तावेजों के साथ प्रत्येक दस्तावेज की एक सेट फोटोकॉपी तथा पहचान पत्र की मूल प्रति एवं एक फोटोकॉपी लेकर परीक्षा स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। अभ्यर्थियों को उनके निर्धारित सरल क्रमांक के अनुसार ही साक्षात्कार एवं कौशल परीक्षा में शामिल होना होगा। निर्धारित तिथि के अतिरिक्त अन्य किसी तिथि पर पुनः अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। साक्षात्कार एवं कौशल परीक्षा की तिथियां परिवर्तनशील हैं। किसी भी परिवर्तन की सूचना पृथक से दी जाएगी। सभी संबंधित अभ्यर्थियों से निर्धारित कार्यक्रम एवं निर्देशों का पालन करते हुए समय पर उपस्थित होने की अपील की गई है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एनकोर्ड की बैठक सम्पन्न

नशा मुक्ति के लिए बनेगी व्यापक कार्ययोजना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय एनकोर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार पर प्रभावी रोक लगाने, विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करने और नशा मुक्ति अभियानों की गहन समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने इनशा मुक्त भारतश् अभियान के तहत एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने और व्यापक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

नशा नियंत्रण के लिए प्रभावी नियंत्रण और रोडमैप तैयार करने के निर्देश

बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि नशा नियंत्रण के लिए राज्य और जिला स्तर पर एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तर पर एनकोर्ड की बैठकें परिणामोन्मुख (रिजल्ट-ओरिएंटेड) आधार पर नियमित रूप से आयोजित हों। प्रदेश में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए राज्यीय सीमाओं पर पुलिस और आबकारी विभाग को विशेष चौकसी बरतने के लिए कहा गया है।



इसके अलावा, शिक्षण संस्थानों में नशीली पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

मानस पोर्टल और एंटी नरकोटिक्स टास्क फोर्स की कार्रवाई

बैठक के दौरान मानस पोर्टल से प्राप्त शिकायतों की अद्यतन स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई। साथ ही 16 अगस्त 2026 से 25 सितंबर 2026 के बीच चलाए गए पाक्षिक विशेष अभियानों की प्रगति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ह्ज्ञस्त्र) द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और नशीली दवाओं से जुड़े अपराधियों की धर-पकड़ की जा रही है। सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को एक्शन प्लान के तहत छात्रों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। गृह विभाग की सचिव नेहा चम्पावत ने प्रस्तुतिकरण के जरिए एनकोर्ड से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की। बैठक में पुलिस महानिदेशक (ह्तक्क) श्री अरूण देव गौतम, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया सहित उच्च शिक्षा, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, पुलिस मुख्यालय, वन, समाज कल्याण, एनसीबी (ह्तक्क), डाक विभाग और एड्स नियंत्रण समिति के वरिष्ठ अधिकारी, सभी संभागायुक्त तथा विभिन्न जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

'बिटिया वर्क' अभियान के तहत बालिकाओं ने किया शासकीय कार्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत मिशन शक्ति हब की टीम द्वारा आज 'बिटिया ञ्ज वर्क' अभियान के तहत विद्यालयीन बालिकाओं को विभिन्न शासकीय कार्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक कार्यप्रणाली, शासकीय सेवाओं एवं जनहितकारी गतिविधियों से परिचित कराते हुए उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। भ्रमण के दौरान बालिकाओं को विभिन्न विभागों के कार्यों, प्रशासनिक दायित्वों, शासकीय सेवाओं में रोजगार के अवसरों तथा समाज के विकास में प्रशासन की भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं करियर निर्माण के लिए लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। 'बिटिया ञ्ज वर्क' अभियान के माध्यम से बालिकाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सशक्त बनने तथा भविष्य में प्रशासनिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने का संदेश दिया गया।

विद्यार्थियों ने ली नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ

नशामुक्त भारत अभियान के तहत माधवराव सप्रे महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,

नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा आज माधवराव सप्रे महाविद्यालय गौरेला में नशामुक्ति जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस, स्वास्थ्य, आयुष विभाग एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार, समाज एवं आसपास के लोगों को नशामुक्ति के लिए जागरूक करने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।



रेलवे सुरक्षा बल का 42वाँस्थापना दिवस समारोह - 2026 साहस, प्रतिबद्धता एवं उत्कृष्टता का सम्मानः रेलवे सुरक्षा में समर्पण का प्रतीक

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रेलवे सुरक्षा बल ने आज 12 अक्टूबर, 2026 को अपना 42वाँ स्थापना दिवस भव्य औपचारिक परेड तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के साथ इंस्टीट्यूट ग्राउंड, डब्ल्यू आर एस कॉलोनी में मनाया। इस अवसर पर यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा तथा भारतीय रेल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति बल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया।

यह स्थापना दिवस 20 सितंबर, 1985 की ऐतिहासिक उपलब्धि का स्मरण कराता है, जब रेलवे सुरक्षा बल को संघ के सशस्त्र बल का दर्जा प्रदान किया गया था। यह अवसर बल की संस्थागत विरासत, जनसेवा के प्रति उसके समर्पण तथा व्यावसायिक उत्कृष्टता, परिचालन तत्परता और तकनीकी नवाचार के माध्यम से रेलवे सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उसके निरंतर प्रयासों का उत्सव है।

रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा, ढ्ढक्र ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में माननीय सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (स्श्वष्टक्र) के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद,

छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक (ष्ठतक्क), रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महानिरीक्षक श्री मुनव्वर खुर्शीद तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, छत्तीसगढ़ प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

औपचारिक परेड- अनुशासन, साहस एवं परिचालन उत्कृष्टता का प्रदर्शन

42वें स्थापना दिवस समारोह का प्रमुख आकर्षण औपचारिक परेड रही, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल के अनुशासन, व्यावसायिक दक्षता, तत्परता तथा परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

परेड में विभिन्न टुकड़ियों ने भाग लिया, जिनमें महिला टुकड़ी, ष्ठह्वस्र कमांडो टुकड़ी, श्वान दस्ता तथा सेगवे टुकड़ी शामिल थीं। इन टुकड़ियों की भागीदारी ने बल की विविध क्षमताओं को प्रदर्शित किया, जिनमें विशेष परिचालन कार्रवाई, श्वानों की सहायता से सुरक्षा संबंधी



कार्यवाहियाँ तथा आधुनिक तकनीक-सक्षम गश्त शामिल हैं।

परेड ने उन रेलवे सुरक्षा बल के जवानों के समर्पण, सतर्कता एवं प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित किया, जो रेलवे यात्रियों एवं संपत्ति की सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम तथा देशभर में सुरक्षित एवं संरक्षित रेल परिवेश सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत रहते हैं। महिला टुकड़ी की भागीदारी ने बल की विविध जिम्मेदारियों के निर्वहन में महिला कार्मिकों के महत्त्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया, जबकि ष्ठह्वस्र कमांडो टुकड़ी ने ञ्ज की विशेष परिचालन तैयारियों का प्रदर्शन किया।

प्रतिष्ठित पदकों का अलंकरण- उत्कृष्ट सेवा का सम्मान

समारोह का एक महत्त्वपूर्ण आकर्षण रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं सदस्यों को उनकी उत्कृष्ट सेवा, व्यावसायिक उत्कृष्टता तथा राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए महानिदेशक, ञ्ज द्वारा प्रतिष्ठित पदकों एवं अलंकरणों से सम्मानित किया जाना रहा।

इस अवसर पर विशिष्ट सेवा के लिए 3 राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए 30 पुलिस पदक तथा वर्ष 2024 में एक रेल यात्री का जीवन बचाने के लिए एक जीवन रक्षा पदक प्रदान किए गए। ये प्रतिष्ठित अलंकरण स्वतंत्रता दिवस, 2025 तथा गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसरों पर प्रदान किए गए पुरस्कारों से संबंधित हैं। ये सम्मान कर्तव्य के प्रति असाधारण निष्ठा, विशिष्ट व्यावसायिक उपलब्धियों तथा राष्ट्र की सेवा में सराहनीय योगदान को मान्यता प्रदान करते हैं। इन अधिकारियों एवं कार्मिकों को सम्मानित किया जाना समर्पण, सत्यनिष्ठा तथा जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सर्वोच्च परंपराओं को प्रतिबिंबित करता है। जीवन रक्षा पदक मानवीय संवेदनशीलता के पहलू को भी रेखांकित करता है, जो एक रेल यात्री का जीवन बचाने के लिए किए गए कार्य को सम्मानित करता है।

पदक अलंकरण समारोह ने रेलवे सुरक्षा बल के सदस्यों को व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने तथा साहस, करुणा एवं उत्तरदायित्व की सुदृढ़ भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

सेवा की विरासत एवं बदलती जिम्मेदारियाँ

रेलवे सुरक्षा बल की यात्रा भारतीय रेल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति दशकों के समर्पण को दर्शाती है। रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम, 1957, जिसे 29 अगस्त, 1957 को अधिनियमित किया गया था, ने बल को वैधानिक पहचान प्रदान की। इसके पश्चात ञ्ज नियम, 1959 लागू किए गए, जिन्होंने बल के कार्यकरण के लिए एक समान रूपरेखा स्थापित की।

वर्ष 1962 में चीनी आक्रमण के दौरान सीमावर्ती जिलों में रेलगाड़ियों की सुरक्षा के लिए ञ्ज की मौजूदा संख्या से एक विशेष आपातकालीन बल का गठन किया गया। वर्ष 1965 में इसका नाम बदलकर रेलवे सुरक्षा विशेष बल कर दिया गया। रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम, 1966 ने रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के कानूनी ढाँचे को और सुदृढ़ किया।

एक निर्णायक उपलब्धि 20 सितंबर, 1985 को प्राप्त हुई, जब ञ्ज अधिनियम, 1957 में संशोधन के माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल को संघ के सशस्त्र बल का दर्जा प्रदान किया गया। इसके बाद हुए विधायी विकास, विशेष रूप से वर्ष 2003 के संशोधनों ने इसकी जिम्मेदारियों का विस्तार किया, जिनमें रेलवे यात्रियों तथा यात्री क्षेत्रों की सुरक्षा भी शामिल हुई। वर्ष 2019 में बल को स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (ह्तक्क-ष्ठह्व, 1985) की धाराओं 42 एवं 67 के अंतर्गत निर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग करने के लिए भी अधिकृत किया गया। रेलवे संपत्ति की सुरक्षा से लेकर यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित करने तथा आधुनिक सुरक्षा तकनीकों को अपनाने तक, ञ्ज उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर विकसित हुआ है। 42वाँ स्थापना दिवस इस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण कराता है तथा सेवा, व्यावसायिकता और रेल यात्रियों की सुरक्षा के प्रति बल की प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ करता है।

स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण में सामूहिक सहभागिता पर दिया गया जोर

सेवा संकल्प अभियान के तहत सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम कोसीर में स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम कोसीर में जल संसाधन विभाग द्वारा स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण में आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान में भाग लिया। सभी ने हाथों में झाड़ू लेकर सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की तथा ग्रामीणों को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण



के लिए शासन-प्रशासन के प्रयासों के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। नियमित साफ-सफाई, पौधों का संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाकर गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

न्यूज इन शॉर्ट

मनेन्द्रगढ़ में ब्रेजा कार को आग लगाने वाला आरोपी 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

महेंद्र शुक्ला मनेन्द्रगढ़, । मनेन्द्रगढ़ के मुख्य मार्केट के पास खड़ी ब्रेजा कार को आग लगाकर जलाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके आधार पर नकाबपोश आरोपी की पहचान की गई। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। क्या है पूरा मामला? पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 9 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब 4ः45 बजे मनेन्द्रगढ़ मुख्य मार्केट के पास खड़ी ब्रेजा कार क्रमांक ष्टत्र16ष्टस्र7658 में एक अज्ञात नकाबपोश व्यक्ति ने आग लगा दी थी। आगजनी की इस घटना में कार जल गई। वाहन मालिक रघुनाथ पोद्दार की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 242/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (ब्रह्मस्र) की धारा 326(द्व) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।





घटना मुख्य बाजार के पास होने के कारण क्षेत्र में इसकी काफी चर्चा रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला एमसीबी पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा के निर्देशन में कोतवाली थाना प्रभारी विवेक पाटले ने पुलिस टीम के साथ जांच शुरू की।

फुटेज से खुला मामलापुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के संभावित सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। फुटेज के आधार पर संदेही की पहचान वार्ड क्रमांक 19, मनेन्द्रगढ़ निवासी नारायण अग्रवाल , पिता रामेश्वर अग्रवाल के रूप में की गई। पुलिस ने प्रार्थी और गवाहों से पहचान की पुष्टि कराई।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी से पूछताछ करने पर उसने पुरानी रंजिश के चलते कार में आग लगाने की बात स्वीकार की। घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल की पहचान कर उसे जब्त कर लिया गया। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई की चर्चा

मुख्य बाजार में हुई आगजनी की घटना का खुलासा होने और आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के बाद पुलिस की कार्रवाई की चर्चा हो रही है। मामले में पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इनकी रही अहम भूमिका इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले, एएसआई रवि नंद कंवर, हेड कांस्टेबल नवीन, हेड कांस्टेबल राजकुमार एवं आरक्षक आजाद शामिल रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम पद्मावतीपुर में `नमो सेवा- अनकही कहानियां' नाटक का मंचन

रायपुर,सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम पद्मावतीपुर में 'नमो सेवा- अनकही कहानियां' नाटक का मंचन सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं शासन की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले की ग्राम पंचायत पद्मावतीपुर के बाजार चौक में 'नमो सेवा- अनकही कहानियां' नाटक का मंचन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन से जुड़ी सेवा, समर्पण, जनकल्याण एवं सामाजिक सरोकारों से संबंधित विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अभिनय और संवादों के माध्यम से शासन की जनहितकारी योजनाओं, समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान तथा आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

चिरमिरी में फिर सजेगा आस्था, भक्ति और नारी शक्ति का रंगमंच, सीजन-3 में धूम मचाएगा रास गरबा महोत्सव 2026

दो वर्षों में अपार लोकप्रियता हासिल कर चुका चिरमिरी का रास गरबा महोत्सव इस बार नए उत्साह और भव्यता के साथ होगा आयोजित

एक सत बुलेटिन ➤ चिरमिरी

शारदीय नवरात्र केवल मां दुर्गा की आराधना का पर्व नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति, संस्कार और नारी शक्ति के सम्मान का भी महापर्व है। इसी आध्यात्मिक भावना को उत्सव के रंगों में पिरोते हुए चिरमिरी में आयोजित होने वाला रास गरबा महोत्सव अब शहर की सांस्कृतिक पहचान बनता जा रहा है। बीते दो वर्षों में लोगों के बीच मिली अपार लोकप्रियता और उत्साहजनक सहभागिता के बाद इस वर्ष रास गरबा आयोजन समिति, चिरमिरी द्वारा रास गरबा महोत्सव सीजन-3 प्रस्तुत किया जा रहा है।

14, 15 एवं 16 अक्टूबर 2026 को लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, गोदरीपारा, चिरमिरी में आयोजित होने वाला यह तीन दिवसीय महोत्सव धार्मिक आस्था, पारंपरिक गरबा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संगीत के माध्यम से श्रद्धालुओं को एक विशेष अनुभव प्रदान करेगा। आयोजन का उद्देश्य केवल गरबा नृत्य तक सीमित नहीं है, बल्कि मां दुर्गा की आराधना के साथ भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और महिलाओं की शक्ति एवं प्रतिभा को सम्मानित करने का एक साझा मंच तैयार करना भी है।

दो वर्षों की लोकप्रियता, तीसरे सीजन से बढ़ीं उम्मीदें

चिरमिरी के रास गरबा महोत्सव ने अपने शुरुआती दो वर्षों में जिस तरह लोगों के दिलों में जगह बनाई, उसने इस आयोजन को लेकर नई उम्मीदें पैदा की हैं। नवरात्र के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजे प्रतिभागियों, गरबा की लय पर थिरकते कदमों और मां दुर्गा के जयकारों से उत्सव का वातावरण भक्तिमय बनता है। इस आयोजन से जुड़ाव केवल युवाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि महिलाएं, परिवार और विभिन्न आयु वर्ग के लोग भी अपनी सहभागिता से इसे सामूहिक उत्सव का रूप देते हैं।



सीजन-3 के माध्यम से आयोजन समिति इसी परंपरा को और आगे बढ़ाने की तैयारी में है। उद्देश्य है कि चिरमिरी का यह गरबा महोत्सव धार्मिक श्रद्धा के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता, सामाजिक सद्भाव और सकारात्मक पारिवारिक सहभागिता का प्रतीक बने।

महिलाओं के लिए आस्था, भक्ति और मातृशक्ति का उत्सव

रास गरबा महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप है। मां दुर्गा की आराधना भारतीय समाज में नारी शक्ति, साहस, करुणा और सृजन की भावना का प्रतीक मानी जाती है। गरबा की प्रत्येक परिक्रमा इसी श्रद्धा और सामूहिक भक्ति की अनुभूति कराती है।

यह महोत्सव महिलाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने, पारंपरिक परिधानों और लोकनृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा एक सकारात्मक सामाजिक वातावरण में भागीदारी का अवसर प्रदान करता है। मां दुर्गा के नौ रूपों से प्रेरणा लेते हुए यह आयोजन मातृशक्ति के सम्मान, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता का संदेश भी देता है।

भक्ति के साथ संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की विशेष छटा

आयोजन के प्रचार पोस्टर के अनुसार इस वर्ष महोत्सव में डॉ. पी. शर्मा, प्रीति, शरद और शीतल सहित कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में रंग भरेंगे। पोस्टर में मध्य भारत की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संगीत और लाइव ऑर्केस्ट्रा की झलक भी दिखाई गई है। इससे आयोजन में पारंपरिक गरबा के साथ मनोरंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आकर्षण जुड़ने की उम्मीद है।

महोत्सव के संरक्षक के रूप में विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री मा. श्याम बिहारी जायसवाल जी का नाम आयोजन के पोस्टर में अंकित है। आयोजन समिति इस महोत्सव के माध्यम से चिरमिरी की सांस्कृतिक सक्रियता और सामाजिक सहभागिता को एक नई पहचान देने का प्रयास कर रही है।

चिरमिरीवासियों से आयोजन समिति की विशेष अपील

रास गरबा आयोजन समिति, चिरमिरी ने शहरवासियों, माताओं-बहनों, युवाओं और समस्त श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे शारदीय नवरात्र के इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर मां दुर्गा की आराधना और गरबा महोत्सव की शोभा बढ़ाएं।समिति का संदेश है कि यह उत्सव किसी एक व्यक्ति, परिवार या वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे चिरमिरी का साझा सांस्कृतिक पर्व है। हर परिवार की सहभागिता, हर महिला की ऊर्जा, हर युवा का उत्साह और हर श्रद्धालु की भक्ति इस आयोजन को यादगार बना सकती है।आइए, हम सब मिलकर मां दुर्गा के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करें, भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाएं और चिरमिरी के रास गरबा महोत्सव सीजन-3 को आस्था, एकता, उत्साह और मातृशक्ति के सम्मान का भव्य उत्सव बनाएं।

श्रमिक महिला की कहानी, मातृत्व के समय मिली आर्थिक सहायता से परिवार को राहत

मिनीमाता महतारी जतन योजना बनी ग्रेसी जैकब का सहारा, बेटी के पालन-पोषण के लिए मिले 20 हजार रुपये

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

बेटी के जन्म की खुशी के साथ उसके बेहतर पालन-पोषण की जिम्मेदारी निभा रही खोंगापानी निवासी श्रमिक महिला ग्रेसी जैकब के लिए मिनीमाता महतारी जतन योजना आर्थिक सहारा बनकर सामने आई है। छत्तीसगढ़ शासन की इस योजना के तहत उन्हें 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली है। इस राशि का उपयोग वह अपनी नवजात बेटी के पोषण, देखभाल और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई ग्रेसी जैकब की यह कहानी बताती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरत के समय श्रमिक परिवारों को किस तरह आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं।

बेटी के जन्म पर मिली खुशियां, योजना से मिला आर्थिक संबल

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के नगर खोंगापानी निवासी ग्रेसी जैकब श्रमिक परिवार से जुड़ी हैं। बेटी के जन्म के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। इसी बीच मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने परिवार को आर्थिक राहत पहुंचाई है। नवजात शिशु के जन्म के बाद पोषण, कपड़े, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य आवश्यकताओं पर होने वाले खर्चों को पूरा करने में यह राशि मददगार साबित हो रही है। ग्रेसी जैकब ने बताया कि योजना के तहत प्राप्त सहायता राशि का उपयोग वह अपनी बेटी की जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं। मातृत्व के समय मिली इस आर्थिक मदद से उन्हें बच्ची की बेहतर देखभाल करने में सहयोग मिला है। श्रमिक परिवार के लिए यह सहायता ऐसे समय में उपयोगी साबित हुई है, जब नवजात शिशु के पालन-पोषण के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता होती है।

20 हजार रुपये की सहायता से श्रमिक परिवारों को राहत

मिनीमाता महतारी जतन योजना का संचालन छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा किया जाता है। योजना के तहत पात्र पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद एकमुश्त 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती



है। इसका उद्देश्य मातृत्व के दौरान महिला श्रमिकों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना तथा नवजात शिशु के पालन-पोषण और आवश्यक देखभाल में मदद करना है।

योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए महिला श्रमिक का मंडल में निर्धारित अवधि से पंजीकृत होना आवश्यक है। इस सहायता से आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों को प्रसव के बाद होने वाले आवश्यक खर्चों को पूरा करने में राहत मिलती है।

बेटी की बेहतर परवरिश में मददगार बनी योजना

ग्रेसी जैकब के लिए योजना से मिली राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अपनी नवजात बेटी की बेहतर परवरिश में सहयोग का माध्यम बनी है। वह इस राशि का उपयोग बच्ची के पोषण, कपड़ों और दैनिक जरूरतों पर कर रही हैं। इससे परिवार को अतिरिक्त खर्चों का प्रबंधन करने में मदद मिल रही है। ग्रेसी जैकब की कहानी उन श्रमिक महिलाओं के लिए भी उपयोगी उदाहरण है, जिन्हें मातृत्व के दौरान आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। योजना के माध्यम से मिलने वाली राशि नवजात शिशु की शुरुआती जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार को आर्थिक राहत प्रदान करती है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई मातृत्व सहायता की कहानी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई ग्रेसी जैकब की कहानी श्रमिक कल्याण योजनाओं के महत्व को रेखांकित करती है। मिनीमाता महतारी जतन योजना के माध्यम से मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने बेटी के जन्म के बाद परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा किए बेटी का जन्म जहां खुशियों की सौगात लेकर आया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर रंगोली एवं पोस्टर के माध्यम से दिया गया मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश



एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रंगोली एवं पोस्टर आधारित जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस वर्ष की थीम ÷हर अनुभव महत्वपूर्ण, हर आवाज़ ज़रूरी, वास्तविक बदलाव÷ के अनुरूप रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन, जिला नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. नम्रता चक्रवर्ती के समन्वय एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री शिशिर जायसवाल के सहयोग से किया गया।विकासखंड भरतपुर के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर जमथान एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहरासी में रंगोली गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें स्वास्थ्य कर्मचारियों, बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता करते हुए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, सकारात्मक सोच एवं भावनात्मक अभिव्यक्ति का संदेश दिया। इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर बड़गांवकला में पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई।इन गतिविधियों के माध्यम से आमजन को तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान, उचित परामर्श एवं उपचार तथा मानसिक रोगों से जुड़े सामाजिक भेदभाव को दूर करने के विषय में जानकारी दी गई।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को छिपाने के बजाय उनके विषय में खुलकर चर्चा करना एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करना आवश्यक है। परिवार एवं समाज का सहयोग मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।जिला नोडल अधिकारी डॉ. नम्रता चक्रवर्ती ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ प्रभावित व्यक्तियों के अनुभवों को सुनना, उनकी भावनाओं का सम्मान करना तथा भेदभाव रहित वातावरण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं सहायता हेतु राष्ट्रीय टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 पर निःशुल्क संपर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रमों में संबंधित विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधकों (ब्रह्मस्र), स्वास्थ्य संस्थानों के चिकित्सा अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की।

ग्रामीण महिला की आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी

सक्षम योजना से बदली चंपा देवी की तकदीर, पशुपालन बना आय का जरिया

1.80 लाख रुपये के ऋण से खरीदें तीन गायें, दूध बेचकर परिवार को दे रहीं आर्थिक संबल

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम चैनपुर निवासी चंपा देवी कुशवाहा के लिए पशुपालन अब परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ आमदनी का जरिया भी बन गया है। कभी एक गाय से घर की दूध की जरूरतें पूरी करने वाली चंपा देवी आज चार गायों के सहारे पशुपालन व्यवसाय को आगे बढ़ा रही हैं। छत्तीसगढ़ महिला कोष सक्षम योजना से मिले 1 लाख 80 हजार रुपये के ऋण ने उनके इस प्रयास को नई दिशा दी है। अब वह आसपास के घरों में दूध बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई उनकी यह कहानी बताती है कि शासकीय योजनाओं का लाभ और स्वयं की मेहनत किस तरह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर ले जा सकती है।

एक गाय से शुरू हुआ सफर, आर्थिक मदद से बढ़ा कारोबार



ग्राम चैनपुर निवासी चंपा देवी, पति अजय कुमार कुशवाहा ने बताया कि पहले उनके पास केवल एक गाय थी। उससे मिलने वाला दूध परिवार के उपयोग में ही आ जाता था। पशुपालन को आय का साधन बनाने की इच्छा तो थी, लेकिन पूंजी की कमी के कारण वह अतिरिक्त गायें नहीं खरीद पा रही थीं। फरवरी 2026 में महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संचालित छत्तीसगढ़ महिला कोष सक्षम योजना के तहत उन्हें 1 लाख 80 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस राशि से उन्होंने तीन और गायें खरीदीं और पशुपालन व्यवसाय का विस्तार किया। वर्तमान में उनके पास चार गायें और दो बछिया हैं।

दूध की बिक्री से बढ़ी आमदनी, परिवार को मिली राहत

चंपा देवी के अनुसार गायों की संख्या बढ़ने से दूध उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई है। पहले जहां दूध केवल घरेलू उपयोग तक सीमित था, वहीं अब परिवार की जरूरतें पूरी करने के बाद बचा दूध आसपास के घरों में बेच रही हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी होने लगी है। पशुपालन से मिलने वाली आय परिवार के दैनिक खर्चों को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि व्यवसाय बढ़ने से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। अब वह स्वयं आय अर्जित कर घरेलू जिम्मेदारियों में सहयोग कर रही हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। चंपा देवी भविष्य में पशुपालन व्यवसाय को और आगे बढ़ाना चाहती हैं।

न्यूज इन शॉर्ट



सेवा संकल्प अभियान- सेवा की कहानी - मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल से वनदेवी की जिंदगी को मिले नए पंख, अब आसान होगी आवागमन की राह

रायपुर, जीवन में छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी जब दूसरों का सहारा लेना पड़े, तब आत्मनिर्भर होकर आगे बढ़ने की चाह और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में शासन की सहायता किसी जरूरतमंद के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम सेमरा निवासी श्रीमती वनदेवी कर्ष के लिए सेवा संकल्प अभियान खुशियों की नई सौगात लेकर आया है। ग्राम सेमरा में आयोजित सेवा सेतु शिविर में उन्हें मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। इस सहायता से अब उनके लिए दैनिक जीवन के जरूरी कार्यों को पूरा करना और एक स्थान से दूसरे स्थान तक आना-जाना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो सकेगा।अब आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भरता होगी कमश्रीमती वनदेवी कर्ष के लिए दैनिक जीवन में आवागमन एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। आवश्यक कार्यों के लिए घर से बाहर निकलने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने से अब उनकी यह परेशानी काफी हद तक दूर हो सकेगी।इस सुविधा से वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक सहजता से पूरा कर सकेंगी। साथ ही आवागमन के लिए परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों पर उनकी निर्भरता भी कम होगी। इससे उनके जीवन में सुविधा के साथ आत्मविश्वास बढ़ने की भी उम्मीद है।मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल बनी आत्मनिर्भरता और सम्मान का माध्यम श्रीमती वनदेवी कर्ष के लिए मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे उन्हें अपनी जरूरतों के अनुसार आने-जाने और आवश्यक कार्यों को पूरा करने में सुविधा मिलेगी।सेवा सेतु शिविर में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्राप्त होने पर श्रीमती वनदेवी कर्ष के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। उन्होंने इस सहायता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।सेवा सेतु शिविर से जरूरतमंदों तक पहुंच रही सहायतामुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। श्रीमती वनदेवी कर्ष की यह कहानी दर्शाती है कि समय पर मिलने वाली शासकीय सहायता किसी व्यक्ति के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के साथ उसे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर सकती है। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल की यह सौगात वनदेवी के लिए अब सुगम आवागमन और अधिक स्वतंत्र जीवन की नई उम्मीद बन गई है।

शासकीय हाई स्कूल सलिहाघाट में अनोखी पहल,

गणित के डर को दूर करेगी नई गणित प्रयोगशाला, नवाचारी शिक्षक बुद्धेश्वर कश्यप की पहल की हो रही सराहना

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

अक्सर बच्चों को गणित विषय से डर लगता है। सूत्रों को रटना और सवालों को हल न कर पाना बच्चों में गणित के प्रति भय पैदा करता है। इसी भय को दूर करने और गणित को खेल-खेल में सिखाने के लिए शासकीय हाई स्कूल सलिहाघाट में एक अनोखी पहल की गई है। यहां पदस्थ नवाचारी शिक्षक बुद्धेश्वर कुमार कश्यप ने अपने विद्यालय में एक अत्याधुनिक गणित प्रयोगशाला का निर्माण किया है। इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य गणित के प्रति रुचि जागृत करना, गणित से भय को दूर करना और सूत्रों को रटने की प्रवृत्ति को खत्म करना है। आज सोमवार को



इस गणित प्रयोगशाला का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भव्य उद्घाटन समारोह, अतिथियों ने की पहल की सराहना

वहीं गणित प्रयोगशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बिलाईगढ़ की उपाध्यक्ष कृष्णा देवी रेवती चंद्रा उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष भटगांव धीरज सिंह राजपूत, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एस.एन. साहू, विकासखंड स्रोत समन्वयक डी.पी. सोनी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर.के. भोई उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष सिया राम पटेल ने की। जहां सभी अतिथियों के कर-कमलों से फीता काटकर गणित प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सुरेश रघु, तुलसी आदित्य, फूलचंद जायसवाल, उदेश यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी और पालक उपस्थित थे।

क्या है इस प्रयोगशाला में खास?

नवाचारी शिक्षक बुद्धेश्वर कुमार कश्यप ने बताया कि यह सामान्य प्रयोगशाला नहीं है। इसमें बच्चों के द्वारा बनाए गए सहायक शिक्षण सामग्री (झरूरू) को रखा गया है।

घायल गौमाता के इलाज के लिए गौरक्षा वाहिनी एम्बुलेंस का लोकार्पण

महाराजा श्री अग्रसेन जी ने दिया दानशीलता और परोपकार का अमूल्य संदेश : राज्यपाल श्री रमेन डेका



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज यहां राजधानी रायपुर के श्री अग्रसेन धाम में आयोजित श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि एवं श्री अग्रसेन जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाराजा श्री अग्रसेन जी ने समाज को दानशीलता और परोपकार का अमूल्य संदेश दिया। अग्रवाल समाज व्यवसाय के साथ समाज में भी अपना सार्थक योगदान दे रहे हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है। यह समाज परिश्रम से स्थापित उद्योग-धंधों में लोगों को रोजगार देते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अग्रवाल समाज के लोग अग्रणी भूमिका में रहते हैं। महाराजा अग्रसेन जी ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उनके द्वारा दिए गए एक ईंट एक रुपया का सिद्धांत आपसी सहयोग और आत्मनिर्भरता की अनोखी मिसाल है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने हमें सिखाया कि ज्ञान सभी से लेना चाहिए और दान भी देना चाहिए। नई पीढ़ी को त्वरित सफलता प्राप्त करने की जगह पारंपरिक मूल्यों का पालन करना चाहिए। अग्रवाल समाज में पारिवारिक व्यवसाय को आगे बढ़ाने की सुंदर परम्परा है। असम सिनेमा को आगे बढ़ाने में श्री ज्योति प्रसाद अग्रवाल ने योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सभी की भागीदारी से ही सुंदर समाज का निर्माण हो सकता है। छत्तीसगढ़ में उद्योग एवं व्यवसाय की असीम संभावना है। अग्रवाल समाज अपने व्यापार में इन अवसरों का उपयोग करेंगे तो कई लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि यह समाज हमेशा परोपकार के क्षेत्र में अग्रणी रहता है। चाहे स्वास्थ्य शिविर हो या गौसेवा, धर्मशाला, सामूहिक विवाह या निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना, अग्रवाल समाज हर रूप में आगे बढ़कर परोपकार करता है। आज भी गौमाता के लिए एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया है, यह अग्रवाल समाज की सेवा भावना को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। हम भी विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए विजन डाक्यूमेंट के आधार पर मिशन मोड पर कार्य कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य राज्य की जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से 75 लाख करोड़ रूपए तक पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में खनिज, वनोपज, बिजली, पानी सहित सभी संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। अग्रवाल समाज अपने व्यवसायिक परिश्रम से छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज लोगों को रोजगार देने के साथ ही समाजसेवा में भी अपना बहुमूल्य योगदान देता है। महाराजा अग्रसेन जी ने समानता और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के अवसर पर घायल गौमाता के इलाज के लिए गौरक्षा वाहिनी एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया।

सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत से दीपक पाल की समस्या का हुआ समाधान, मिली ट्राई साइकिल

चलने-फिरने में परेशानी से जूझ रहे दिव्यांग दीपक को मिली राहत, अब आवागमन होगा आसान

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

शासन की जनकल्याणकारी सेवाएं जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के समाधान में मददगार साबित हो रही हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के नगर पंचायत खोंगापानी निवासी दिव्यांग दीपक पाल की कहानी इसका उदाहरण है। चलने-फिरने में परेशानी के कारण लंबे समय से आवागमन की कठिनाइयों का सामना कर रहे दीपक पाल ने अपनी समस्या सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से शासन-प्रशासन तक पहुंचाई। शिकायत के बाद प्रशासन ने उनकी समस्या के निराकरण की पहल की और उन्हें ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई यह कहानी बताती है कि शिकायत निवारण व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमंद नागरिकों को समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।

आवागमन की परेशानी से जूझ रहे थे दीपक, हेल्पलाइन पर दर्ज कराई शिकायत

नगर पंचायत खोंगापानी निवासी दीपक पाल दिव्यांग होने के कारण दैनिक जीवन में



आवागमन संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में उन्हें परेशानी होती थी। दैनिक जरूरतों और आवश्यक कार्यों के लिए घर से बाहर निकलना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। अपनी इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्या संबंधित अधिकारियों तक पहुंची। इसके बाद शिकायत के निराकरण की दिशा में पहल करते हुए समाज कल्याण विभाग द्वारा उनके लिए ट्राई साइकिल की व्यवस्था की गई। कलेक्टर ने प्रदान की ट्राइसाइकिल, आवागमन में मिलेगी सहूलियत

कलेक्टर कार्यालय परिसर में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा दीपक पाल को ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। लंबे समय से आवागमन की परेशानी का सामना कर रहे दीपक के लिए यह सहायता राहत लेकर आई है। ट्राइसाइकिल मिलने से अब उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में सहूलियत होगी। साथ ही दैनिक जरूरतों से जुड़े कार्यों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। यह सहायता उनके लिए आवागमन का साधन होने के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग साबित होगी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारियों के संबंध में लोकभवन में बैठक आयोजित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 22 एवं 23 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर आवश्यक तैयारियों के संबंध में आज लोकभवन में बैठक आयोजित की गई। राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान लोकभवन में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में लोकभवन परिसर में बैठक व्यवस्था, पार्किंग, बिजली और इंटरनेट की निर्बाध उपलब्धता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही चिकित्सा सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों और प्रोटोकॉल के तहत वाहनों की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए



गए, ताकि राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

बैठक में जनसंपर्क विभाग के संचालक श्री आशीष कुमार टिकरिहा, रायपुर के पुलिस कमिश्नर श्री संजीव शुक्ला सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम रायपुर, सामान्य प्रशासन विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नई शुरुआत

जल संरक्षण और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकते हैं

सेवा संकल्प अभियान : जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश लेकर खुदरी जलाशय में जुटे ग्रामीण, जनभागीदारी से जल स्रोतों को सहेजने का लिया संकल्प

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज ग्राम पंचायत धनौली स्थित खुदरी जलाशय में जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभागीय अमले और ग्रामीणों ने सहभागिता निभाते हुए जल स्रोतों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्रदूषण मुक्त रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान खुदरी जलाशय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। ग्रामीणों को



जलाशयों, तालाबों, नदियों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई तथा उनके संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जल जन चौपाल, ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच एवं ग्राम जल सुरक्षा संवाद जैसी गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के उपयोग, जलजनित बीमारियों से बचाव तथा जल स्रोतों को प्रदूषण से सुरक्षित रखने के संबंध में जागरूक किया गया।

**जल की हर बूंद अनमोल, संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी*

जल जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि जल जीवन का आधार है और इसकी प्रत्येक बूंद का संरक्षण वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी आवश्यक है। जल का अनावश्यक अपव्यय रोकने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जलाशयों एवं प्राकृतिक जल स्रोतों के आसपास कचरा नहीं फैलाने, गंदगी एवं प्रदूषण से बचाने तथा नियमित स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

ग्राम जल सुरक्षा संवाद के माध्यम से ग्रामीणों को जल स्रोतों के संरक्षण में सामुदायिक सहभागिता की अहम भूमिका से अवगत कराया गया। बताया गया कि जल संरक्षण केवल शासकीय विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। गांव के जल स्रोतों को सुरक्षित रखने के लिए सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जल संरक्षण और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकते हैं।

**जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने

ग्रामीणों ने लिया सामूहिक संकल्प**

कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने खुदरी जलाशय सहित गांव के सभी प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता, सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लिया। उन्होंने जल के अपव्यय को रोकने, जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने तथा स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प दोहराया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित यह कार्यक्रम जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ ही ग्रामीणों में सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

कर्ण शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

8 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने भारत के लिए 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी-20 मैच खेला।कर्ण ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से खेलने के बाद यह फैसला लिया। वह 25 अगस्त को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मेवरिक्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे।खिलाफ एडिलेड में अपना इकलौता टेस्ट खेला। इस मैच की दोनों पारियों में उन्होंने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में उन्होंने एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल खेला और जो रूट को आउट किया। 2104 में ही श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने दोनों वनडे खेले।इसके बाद कर्ण को 2015 में जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुना गया था, लेकिन चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गए। इसके बाद उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।

घरेलू क्रिकेट में करीब 20 साल का करियर

कर्ण ने 2007-08 सीजन में फर्स्ट क्लास, लिस्ट़ और टी-20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने पहले रणजी ट्रॉफी मैच में ही उन्होंने शतक लगाया। 2012-13 सीजन में तीन रणजी मैचों में 21 विकेट लेने के बाद उन्हें 1 बेस्ट अंडर-25 क्रिकेटर अवॉर्ड मिला।उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रेलवे, आंध्र और विदर्भ को रिप्रेजेंट किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर्ण ने 97 मैचों में 270 विकेट लिए। लिस्ट़ के 123 मैचों में 153 विकेट और 191 टी-20 मैचों में 168 विकेट उनके नाम हैं।

बल्लेबाज की सोच पढ़कर विकेट निकालते हैं नमन धीर



भारत के बैटिंग ऑलराउंडर नमन धीर ने गेंद से अपनी अलग पहचान बनानी शुरू कर दी है। उनकी खासियत सिर्फ ऑफ स्पिन नहीं, बल्कि बल्लेबाज की सोच को पढ़कर उसके खिलाफ योजना बनाना है।

गंभीर-गिल ने रिजर्व खिलाड़ियों को रिलीज नहीं किया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला कन्कशन या किसी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में बैकअप तैयार रखने के लिए लिया है। पहले टेस्ट में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को तेज गेंदबाजों के तौर पर प्लेइंग इलेवन में जगह मिली थी। गुरनूर और आकिब को मौका नहीं मिला था।दूसरे टेस्ट में भी सिराज और प्रसिद्ध के खेलने की संभावना है, लेकिन किसी आपात स्थिति में टीम के पास तुरंत उपलब्ध गेंदबाज रहें, इसलिए दोनों रिजर्व खिलाड़ियों को श्रीलंका में ही रखा गया है।

दलीप ट्रॉफी का नया सीजन भी रविवार से शुरू हो रहा है। ऐसे में गुरनूर और आकिब के लिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलने का मौका था, लेकिन भारतीय टीम के साथ रुकने के कारण वे नॉर्थ जोन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

सौरव गांगुली दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच बने

अगले आईपीएल सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे, बतौर डायरेक्टर काम कर चुके

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। वे IPL के अगले सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।गांगुली इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के तौर पर काम कर चुके हैं।



उन्होंने 2025 में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच के रूप में अपना पहला कोचिंग रोल संभाला था।गांगुली ने IPL में 59 मैचों में 1,349 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा और उन्होंने 7 अर्धशतक लगाए। उन्होंने IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स और पुणे वॉरियर्स इंडिया की कप्तानी भी की। गांगुली का IPL डेब्यू 2008 मेंचयचक्र के लिए हुआ था। उन्होंने आखिरी मैच 2012 में पुणे वॉरियर्स के लिए खेला। बतौर गेंदबाज उनके नाम 10 विकेट भी हैं।दिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपनी पहली ढ्ढक्र ट्रॉफी का इंतजार है। दिल्ली 2020 में पहली बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन मुंबई इंडियंस के हाथों हार गई थी।

गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली।

अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े।वे साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया।2002 में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया। फिर श्रीलंकाई कप्तान सनथ जयसूर्या के साथ ट्रॉफी साझा की। इसी साल लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था।गांगुली क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष हैं। 2019 में BCCI के अध्यक्ष बने थे। उन्हें 2022 में पद से इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह 1983 वर्ल्ड कप बिन्नी को नया चेयरमैन बनाया गया।

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 87,960 करोड़ घटा

एयरटेल टॉप लूजर, वैल्यू 28,052 करोड़ घटी; LIC की वैल्यू बढ़ी

एजेंसी ➤ मुंबई

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही। इस बीच देश की 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप कुल मिलाकर 87,960 करोड़ घटा है।

इस दौरान टेलीकॉम सेक्टर की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल की मार्केट वैल्यूएशन में सबसे बड़ी 28,052.96 करोड़ की गिरावट देखने को मिली। इसकी वैल्यूएशन घटकर 12.15 लाख करोड़ रह गई है।

एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप भी घटा है। वहीं 6 कंपनियों- स्ढ्ढष्ट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस,बैंक और बैंक की मार्केट वैल्यू बढ़ी है।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स 468.42 अंक



(0.60त्न) और ह्रस्श्व निफ्टी 114 अंक (0.46त्न) नीचे गिरकर बंद हुआ।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

इसे एक उदाहरण से समझें...

मान लीजिए... कंपनी के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ × 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

कंपनियों की मार्केट वैल्यू शेयर की कीमतों के बढ़ने या घटने के चलते बढ़ता-घटता है।

मार्केट कैप के उतार-चढ़ाव का कंपनी और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

कंपनी पर असर = बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर = मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वहीं, गिरावट से नुकसान हो सकता है,

क्या ट्रम्प अपने फैसलों से शेयर-बाजार में करोड़ों कमा रहे

जून में किए 1 हजार से ज्यादा स्टॉक ट्रेड्स; व्हाइट हाउस बोला- कंप्यूटर संभाल रहा पोर्टफोलियो

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रपति के एक बयान या फैसले से शेयर बाजार तुरंत ऊपर-नीचे हो जाता है, ऐसे में उनके खातों से करोड़ों की ट्रेडिंग सामने आने के बाद यह सवाल गहरा गया है कि क्या ट्रम्प अपने राष्ट्रपति पद और फैसलों का फायदा शेयर बाजार से पैसा कमाने के लिए उठा रहे हैं?

ट्रम्प के पोर्टफोलियो से जुड़ी इस बड़ी खबर के हर पहलू को 9 आसान सवाल-जवाब में जानें

सवाल 1. रिपोर्ट में ट्रम्प के ट्रेड्स को लेकर मुख्य रूप से क्या जानकारी सामने आई है?

जवाब- शनिवार 22 अगस्त को जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प ने जून 2026 में



1,000 से ज्यादा सिक्योरिटीज ट्रेड्स किए हैं। इन सभी ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 78.1 मिलियन डॉलर से 263.1 मिलियन डॉलर यानी करीब 7000 करोड़ से 2,500 करोड़ के बीच रही है। जवाब- अमेरिकी नियमों के तहत राष्ट्रपति और शीर्ष अधिकारियों को अपने वित्तीय सौदों की सटीक रकम बताने की जरूरत नहीं होती। नियम के मुताबिक ट्रांजैक्शन के लिए एक दायरा तय किया जाता है। इसलिए रिपोर्ट में न्यूनतम और अधिकतम रेंज दी गई है।

जवाब- जून में सबसे बड़ी डील 22 जून को हुई। इस दिन ट्रम्प ने वैनगार्ड ग्रुप के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के 5 मिलियन डॉलर से 25 मिलियन डॉलर यानी करीब ?48 करोड़ से ?240 करोड़ के शेयर्स बेचे।

बर्कशायर है वे- 18 जून को .1 मिलियन से 5 मिलियन यानी 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 24 जून को कुछ हिस्सा बेचा।

मेटा- 18 जून को .1 मिलियन से 5 मिलियन यानी करीब 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, फिर महीने के अंत में छोटे अमाउंट में शेयर्स खरीदे। प्लांटिर- 3 जून को .1,001 से .15,000 के शेयर खरीदे। 16 और 18 जून को शेयर बेचे, फिर 23 और 24 जून को दोबारा खरीदारी की। अन्य कंपनियां- वीजा, मास्टरकार्ड, सिंटास, कॉइनबेस और होम डिपो।

सवाल 5. क्या इन ट्रेड्स का अमेरिका की जियोपॉलिटिकल घटनाओं से कोई कनेक्शन दिखा?

पीएम को स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

एजेंसी ➤ मुंबई

अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है। पढ़िए इस बातचीत की खास बातेंज

देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने प्लान्स बताए। मुलाकात के दौरान पीएम ने स्टार्टअप्स के प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है।

कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया था। इस कामयाब लॉन्च के बाद पीएम मोदी ने स्टार्टअप फाउंडर से फोन पर बात की थी।

फ्यूल स्टेशन, सफाई रोबोट और दवा बनाने वाली सैटेलाइट्स

स्पेस पेट्रोल पंप- एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।कचरा हटाना- एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और डेड सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

स्पेस पेट्रोल पंप और स्पेस फार्मा को जानें

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं।

सरकार बोली- चीनी जमाखोरी से महंगी हुई, इथेनॉल कारण नहीं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चीनी से एथेनॉल बनाने की वजह से बाजार में इसके दाम बढ़े हैं।खाद्य और उपभोक्ता मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कम उत्पादन, त्योहारी सीजन की मांग और जमाखोरी की वजह से कीमतें बढ़ी हैं।चीनी के बढ़ते दाम को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट और ड्यूटी फ्री इंपोर्ट जैसे कदम उठाए गए हैं।

एथेनॉल के लिए चीनी का इस्तेमाल घटा

मंत्रालय ने कहा कि चीनी की बढ़ती कीमतों को एथेनॉल बनाने में इसके इस्तेमाल से जोड़ना पूरी तरह गलत है।पेट्रोल में मिलाने के लिए चीनी से एथेनॉल बनाने का हिस्सा 2022-23 सीजन के 12त्न से घटकर 2025-26 सीजन में करीब 9त्न रह गया है।मौजूदा समय में देश के कुल एथेनॉल उत्पादन का लगभग 75त्न हिस्सा अनाज, खासकर मक्के से आ रहा है।

मिलों और किसानों को कैसे हुआ फायदा?

भारत में हर साल करीब 32-34 मिलियन टन चीनी बनती है और इसकी खबत 28-29



मिलियन टन है। पहले यह एक्स्ट्रा चीनी मिलों में फंसी रहती थी, जिससे उनके पैसे ब्लॉक हो जाते थे और वे गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर पाते थे।अब सरकार इस एक्स्ट्रा चीनी और गन्ने का इस्तेमाल पेट्रोल में मिलाने वाले इथेनॉल को बनाने में कर रही है। इससे मिलों के पास पैसा आया और किसानों को समय पर भुगतान मिलने लगा। 20 अगस्त 2026 तक इस सीजन का 97त्न बकाया किसानों को चुकाया जा चुका है।सरकार की बची भारी सब्सिडी

मिलों की कमाई बढ़ने से अब उन्हें सरकार से मदद की जरूरत नहीं पड़ती। यही वजह है कि सरकार ने 2014 से 2021 के बीच मिलों को 14,600 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी थी, लेकिन साल 2021-22 के बाद से सरकार को 1 रुपए की भी नई सब्सिडी देने की जरूरत नहीं पड़ी है।



कॉकरोचों के डर से किलेबंदी

देश की राजधानी दिल्ली में ऐसे दृश्य हमने युद्धों के दौरान भी नहीं देखे। 1984 के सिख-विरोधी दंगे बेहद भयावह और जानलेवा थे। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी तालाबंदी थी, लेकिन नागरिक अधिकार तब भी जिंदा थे। 10 अक्तूबर, 2026 को इतिहास में एक काली, डरावनी, दमनकारी तारीख के तौर पर दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने सडक़ों पर कीलें गाड़ दी थीं, ताकि कोई गाड़ी उन रास्तों से गुजरे, तो टायर में पंक्चर हो जाए। यह कैसा लोकतंत्र है? 7000 से अधिक युवाओं और कुछ नेताओं-सांसदों को हिरासत में लिया गया। रात होने लगी, तो उन्हें छोड़ भी दिया गया। राजधानी दिल्ली की चौतरफा किलेबंदी की गई, सीमाएं लगभग सील कर दी गईं, ड्रोन उड़ते देखे गए मानो किसी बाहरी आक्रमण या आतंकी हमले की आशंका हो! मानो कोई विदेशी आक्रांता हमारे देश को लूटने आ रहा हो! मेट्रो ट्रेन के 45 स्टेशन बंद किए गए। न प्रवेश, न ही निकास और न ही इंटरचेंजज! करीब 62 लाख लोग हररोज मेट्रो के जरिए इधर से उधर जाते हैं। कल्पना करें, कितने लोगों के पांव बांध दिए गए होंगे! करीब 250 ट्रेन रद्द कर दी गईं, जो दिल्ली से अन्य राज्यों को जाती थीं और वहां से दिल्ली की ओर आती थीं। लाखों भारतीय 'बंधक' बनकर रह गए होंगे! बताया जाता है कि करीब 2 लाख रेल-यात्री प्रभावित हुए हैं। करीब 38,000 जवान, अर्द्धसैन्य बल और अन्य बलों के जवान दिल्ली में चारों तरफ तैनात कर दिए गए। नतीजतन 'जंतर-मंतर' तक कोई नहीं पहुंच पाया, लेकिन कनॉट प्लेस की गलियों में युवा नारेबाजी करते रहे। पुलिस से कई जगह टकराव भी हुए, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया कि वे भी देश की ताकत हैं। अहम सवाल है कि क्या कॉकरोचों से इतने खतरे या उपद्रवों की आशंकाएं थी? क्या खुफिया एजेंसियों ने भी ऐसी रपटें दी थीं कि कॉकरोच राजधानी में उत्पात मचा सकते हैं और काट कर जहर फैला सकते हैं? सर्वोच्च अदालत की प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने कहा था कि मक्खी को मारने के लिए हथौड़ा न चलाएं।मेट्रो, ट्रेनें, सडक़ें, परिवहन आदि के कारण आम नागरिक को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सरकार धरने-प्रदर्शन की वैकल्पिक जगह तय कर सकती है। चूंकि सरकार और पुलिस ने सर्वोच्च अदालत की टिप्पणियों को हल्के में लिया, लिहाजा अब 'अदालत की अवमानना' के तहत केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को अदालत में तलब किया गया है। अदालत कठोर कार्रवाई करे, ताकि एक व्यापक संदेश जा सके। बहरहाल त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। इस दौरान औसतन 3-4 लाख लोग हररोज दिल्ली के बाजारों में आते हैं। करीब 5 लाख व्यापारी काम करते हैं। मेट्रो और ट्रेनें बंद कर दी गईं, तो खरीददार दिल्ली तक कैसे आएंगे? पेट्रोल पंपों तक पर भीड़ बहुत कम देखी गई। होटल, रेस्तरां, सिनेमा की बुकिंग रद्द कर दी गईं। व्यापार संगठनों का अनुमान है कि करीब 2000 करोड़ रुपए का नुकसान एक ही दिन में हुआ है! यह कैसी जन-व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा है कि नागरिक ही पिस रहा है? यह धारणा मोदी सरकार के खिलाफ भी जा सकती है।

(एक नजर)

मई में बनेंगे 6 बड़े राजयोग

कुछ दिनों बाद मई का महीना शुरू होने वाला है. वैदिक ज्योतिष के अनुसार, मई 2026 का महीना ग्रहों की चाल के कारण बेहद खास रहने वाला है। इस दौरान कई बड़े ग्रह अपनी स्थिति बदलेंगे और एक साथ कई शुभ राजयोग बनाएंगे। इन योगों का असर सभी 12 राशियों के लोगों के जीवन, खासकर आर्थिक स्थिति और करियर पर देखने को मिलेगा। ज्योतिषियों के मुताबिक, इस महीने रुचक, बुधादित्य, गजकेसरी, मालव्य, भद्र और लक्ष्मी नारायण जैसे प्रभावशाली राजयोग बन रहे हैं, जो कई लोगों के लिए नए अवसर और लाभ लेकर आ सकते हैं।- 11 मई को मंगल अपनी ही राशि मेष में प्रवेश करेंगे, जिससे रुचक राजयोग बनेगा।- सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य राजयोग बनेगा।- चंद्रमा और गुरु के मिलन से गजकेसरी राजयोग का निर्माण होगा।- 14 मई तक मालव्य राजयोग प्रभावी रहेगा।- 29 मई को बुध अपनी ही राशि में आकर भद्र राजयोग बनाएंगे।- इसी दिन बुध और शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण राजयोग भी बनेगा।

इन सभी योगों के साथ सूर्य, मंगल, शुक्र और बुध के गोचर भी इस महीने को और खास बना रहे हैं।मेष राशि वालों के लिए यह महीना आर्थिक रूप से अच्छा रह सकता है। करियर और बिजनेस में तेजी आएगी।

विचार

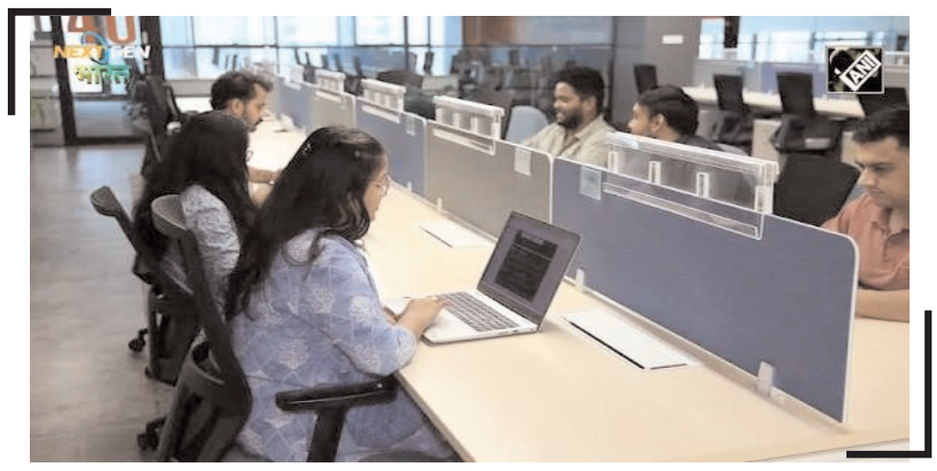
अब टेक्सटाइल का हब बनता भारत

डा. जयंती लाल भंडारी

लेखक

इन दिनों टेक्सटाइल सेक्टर से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह रेखांकित किया जा रहा है कि भारत दुनिया के प्रमुख देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और सरकार के द्वारा टेक्सटाइल क्षेत्र को दिए जा रहे बहुआयामी प्रोत्साहनों के दम पर टेक्सटाइल का नया ग्लोबल हब बनने की राह पर अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। यह उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष जुलाई माह में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 ने न केवल वैश्विक टेक्सटाइल जगत में भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास रचा है, बल्कि संपूर्ण विश्व को यह स्पष्ट और सशक्त संदेश भी दे दिया है कि भारत अब वैश्विक वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला का एक विश्वसनीय, अनिवार्य और प्रमुख ग्लोबल हब बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी '5-एफ' दृष्टिकोण- फार्म (खेत), फाइबर (रेशा), फैक्टरी (कारखाना), फैशन और फॉरेन (विदेश) - को पूरी तरह जीवंत करने वाला यह आयोजन दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत टेक्सटाइल मेला बनकर उभरा है। निस्संदेह, इस वर्ष 2026 में देश का टेक्सटाइल सेक्टर लगभग 190 अरब अमरीकी डॉलर के बड़े आकार तक पहुंच चुका है, जिसका मुख्य राष्ट्रीय लक्ष्य विजन-2030 के तहत इसे बढ़ाकर 350 अरब डॉलर तक ले जाना है। इस अत्यंत महत्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सरकार की नई टेक्सटाइल रणनीति और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ संपन्न हो रहे मुक्त व्यापार समझौते अत्यंत प्रभावी और निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। भारत सरकार ने बेहद सुनियोजित रणनीति

इन दिनों टेक्सटाइल सेक्टर से संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह रेखांकित किया जा रहा है कि भारत दुनिया के प्रमुख देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और सरकार के द्वारा टेक्सटाइल क्षेत्र को दिए जा रहे बहुआयामी प्रोत्साहनों के दम पर टेक्सटाइल का नया ग्लोबल हब बनने की राह पर अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। यह उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष जुलाई माह में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत टेक्स 2026 ने न केवल वैश्विक टेक्सटाइल जगत में भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास रचा है, बल्कि संपूर्ण विश्व को यह स्पष्ट और सशक्त संदेश भी दे दिया है।



के तहत इन एफटीए समझौतों में टेक्सटाइल सेक्टर को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय निर्यातकों के लिए दुनिया के सबसे बड़े, संपन्न और विकसित बाजारों में शून्य आयात शुल्क प्रवेश (जीरो-ड्यूटी एक्सेस) का सुगम मार्ग निश्चित ही प्रशस्त हुआ है।इस दिशा में सबसे ऐतिहासिक कदम भारत और ब्रिटेन के बीच 15 जुलाई से लागू हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीटा) है। इस समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन सरकार ने भारतीय टेक्सटाइल और परिधानों पर पूर्व में लगने वाले 12 प्रतिशत तक के उच्च आयात शुल्क को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। इस बड़ी और महत्वपूर्ण रियायत के बाद ब्रिटिश बाजार में भारतीय कपड़े और रेडीमेड गारमेंट्स हमारे पारंपरिक प्रतिस्पर्धी देशों, जैसे कि बांग्लादेश और वियतनाम की तुलना में अत्यधिक सस्ते, आकर्षक और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। इस समझौते के लागू होने तथा भारतीय निर्यातकों की उन्नत पूर्व-तैयारी के चलते वर्तमान में ब्रिटेन के बाजारों से भारतीय टेक्सटाइल की मांग में तीव्र और ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसके अतिरिक्त, गत एक जून से भारत और ओमान के बीच लागू व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) के अंतर्गत ओमान ने भी भारत के टेक्सटाइल उत्पादों सहित 99 प्रतिशत से अधिक घरेलू उत्पादों पर आयात शुल्क को पूरी तरह से शून्य कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन के साथ सफलतापूर्वक संचालित हो रहे व्यापारिक समझौतों ने पहले ही भारतीय टेक्सटाइल निर्यात को एक नई ऊंचाई और सुदृढ़ आधार प्रदान कर दिया है। इसवधि की तुलना में सालाना आधार पर 10.3 प्रतिशत की ठोस वृद्धि को दर्शाता है।

विचार

बगावत की आंच

आशीष मिश्र

लेखक

ताकत का एक बड़ा आधार उसका संगठन, बूथ स्तर तक फैला नेटवर्क और अलग-अलग जातियों व सामाजिक समूहों को साथ लाने की रणनीति रही है। ऐसे में जब चुनावी मैदान में उतरने से पहले ही कुछ प्रभावशाली नेता पार्टी के फैसलों पर सवाल उठाने लगें तो चुनौती केवल उनकी नाराजगी दूर करने की नहीं रह जाती। सवाल यह भी होता है कि क्या असंतोष दूसरे नेताओं और कार्यकर्ताओं तक पहुंचेगा और क्या इसका असर स्थानीय चुनावी समीकरणों पर पड़ेगा।धर्मेंद्र कश्यप का मामला इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है।

यूपी में 2027 के चुनाव से पहले भाजपा के भीतर टिकट न मिलने और उपेक्षा से असंतोष बढ़ रहा है. पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप और डॉ. संजयन त्रिपाठी ने भाजपा छोड़ सपा का दामन थाम लिया है. कौशल किशोर, बृजभूषण सिंह और संजीव बालियान जैसे नेताओं के तेवर भी पार्टी की चुनौतियां बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी के सामने विपक्ष की चुनौती तो है ही अपने नेताओं के असंतोष को संभालना भी कम मुश्किल नहीं दिख रहा। राज्यसभा के टिकट से नाराज आंवला के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप ने पार्टी छोड़ दी है, उन्होंने सपा का दामन थाम लिया है। विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में टिकट नहीं मिलने पर बृहक से बगावत करने वाले डॉ। संजयन त्रिपाठी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बन गए। पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के परिवार की नाराजगी सामने आई है, जबकि कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के बयानों ने भी पार्टी के भीतर असहजता बढ़ाई है। ताकत का एक बड़ा आधार उसका संगठन, बूथ स्तर तक फैला नेटवर्क और अलग-अलग जातियों व सामाजिक समूहों को साथ लाने की रणनीति रही है। ऐसे में जब चुनावी मैदान में उतरने से पहले ही कुछ प्रभावशाली नेता पार्टी के फैसलों पर सवाल उठाने लगें तो चुनौती केवल उनकी नाराजगी दूर करने की नहीं रह जाती। सवाल यह भी होता है कि क्या असंतोष दूसरे नेताओं और कार्यकर्ताओं तक पहुंचेगा और क्या इसका असर स्थानीय चुनावी समीकरणों पर पड़ेगा।धर्मेंद्र कश्यप का मामला इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। आंवला लोकसभा सीट से 2014 और 2019 में BJP के टिकट पर सांसद चुने गए कश्यप 2024 का लोकसभा चुनाव हार गए थे। 5 अक्टूबर को BJP की राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद 6 अक्टूबर की शाम उन्होंने फेसबुक पर 'टाटा बाय-बाय' लिखा। 7 अक्टूबर को उन्होंने पार्टी छोड़ने की घोषणा की थी और रविवार (11 अक्टूबर) को उन्होंने पार्टी छोड़ दी। कश्यप ने अपनी नाराजगी का कारण बताते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिन लोगों ने उनकी खुलकर खिलाफत की, वे आज पार्टी में बड़े पदों पर हैं। कश्यप के मुताबिक ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से उनके जैसे नेताओं के लिए पार्टी छोड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया



इसलिए उनकी नाराजगी को केवल राज्यसभा का टिकट नहीं मिलने से जोड़ना अधूरा होगा। उनके बयान का दूसरा पहलू यह है कि वे संगठन में पद और प्रतिष्ठा के बंटवारे को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

कश्यप की राजनीतिक यात्रा भी इस घटनाक्रम को अहम बनाती है। वे 2002 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर बिथरी चैनपुर से विधायक बने और 2007 में सपा के टिकट पर विधानसभा पहुंचे। मुलायम सिंह यादव सरकार में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रहे कश्यप 2013 के आखिर में बृहकमें शामिल हो गए थे। इसके बाद दो बार लोकसभा चुनाव जीतकर उन्होंने आंवला में अपनी राजनीतिक जमीन बनाई। कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को भी राजनीति में लाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि वे जहां से चाहेंगे वहां से उनकी बेटी को टिकट मिलेगा, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किस दल से! असंतोष का दूसरा उदाहरण विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सामने आया। यहां मौजूदा एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी को बृहकका समर्थन मिलने से नाराज डॉ। संजयन त्रिपाठी ने पहले निर्दलीय नामांकन किया और फिर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बन गए। एक अक्टूबर को नामांकन के बाद उन्होंने अपनी गाड़ी से BJP का झंडा उतारकर पार्टी से दूरी का संकेत दिया। तीन अक्टूबर को लखनऊ में अखिलेश यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके बगल में बैठने के साथ ही यह साफ हो गया था कि उनकी राजनीतिक राह अब सपा के साथ होगी। इस घटनाक्रम ने बृहकके असंतुष्ट नेता को अपने पाले में लाने की सपा की रणनीति भी सामने रखी। चर्चा है कि पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने संजयन त्रिपाठी की अखिलेश यादव से मुलाकात कराने और उन्हें टिकट दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सपा ने अपने पहले घोषित प्रत्याशी कमलेश यादव की जगह संजयन को उम्मीदवार बनाया। यानी

संजयन त्रिपाठी ने कहा कि जिस पार्टी में उन्होंने वर्षों तक काम किया, उसने उनका तिरस्कार किया, जबकि सपा ने उन्हें अपनाने के साथ प्रत्याशी भी बनाया। उनके समर्थकों ने 'घायल हूं, इसलिए घातक हूं' जैसे नारों के जरिए उनकी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की। BJP के लिए इस घटनाक्रम का महत्व इसलिए भी है कि विधान परिषद चुनाव में टिकट वितरण को लेकर असंतोष खुलकर सामने आया और विपक्ष को संगठन के भीतर की नाराजगी को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने का मौका मिला। हालांकि पार्टी ने संजयन के आरोपों को नहीं माना है। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि टिकट मांगने वाले कई लोग होते हैं लेकिन प्रत्याशी एक ही बन सकता है। उनके मुताबिक संजयन को पार्टी के उम्मीदवार का साथ देना चाहिए था और उनका पार्टी छोड़ना साबित करता है कि वे स्वार्थ के लिए BJP में थे। राय ने दावा किया कि BJP का प्रत्याशी मजबूती से चुनाव लड़ रहा है।

विचार

एलन मस्क प्रकरण, विदेशी मुख के शंख न बनें राहुल गांधी

राकेश सैन

लेखक

अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं यह बात पूरी तरह सच नहीं है।शंख का यह दुर्भाग्य है कि ईश्वर ने उसे मजबूत खोल तो दिया है पर कोमल मस्तिष्क नहीं, तो बेचारा पराई फूक से बजने को मजबूर है। शंख की इसी मजबूरी के खतरे भी अनेक है, चाहते न चाहते हुए भी वह दूसरों की ह्यवर्ड को आवाज दे देता है और वो भी कई गुना बढ़ा कर। आजकल देश के प्रतिपक्षी नेता राहुल गांधी हर विदेशी मुंह का शंख बनने के प्रयास में दिख रहे हैं।



दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया हमला अनेक तरह के खतरनाक संकेत समेटे हुए हैं और इस हमले में किसी विदेशी शक्ति को देश के किसी संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का एक स्वर होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी को विदेशी फूक से बजने वाला शंख बनने से गुरेज करना चाहिए।

जैसा कि सभी जानते हैं कि, सूचना प्रौद्योगिकी जिस तेजी से विकसित हो रही है उसी तेजी से इसके खतरे भी बढ़ रहे हैं। यह तकनीक जहां बड़ी आबादी को लाभ पहुंचा रही है, वहीं इसे नियंत्रित करने वाली चंद कंपनियों को बेशुमार ताकत भी सौंप रही है। इतनी कि ये कंपनियां राजनीतिक शक्तियों को भी बौना समझने लगी हैं। जहां बात नहीं बनती, वहां वे राष्ट्रीय नेतृत्व की साख बिगाडने में लग जाती हैं। कुछ देशों में सरकारें बनाने-गिराने के खेल में सक्रिय रहकर स्वार्थ साधना तो उनका पुराना नुस्खा है। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का भारत सरकार पर किया गया अपनी तरह का %पहला हमला% इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।अपने सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर मस्क ने कहा कि स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिल चुका है और उसने पांच वर्षों तक भारत के हर कानून का पालन किया, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं? यह बात पूरी तरह सच नहीं है। सरकार ने साफ किया कि स्टारलिंक को मई 2025 में ही लाइसेंस मिल चुका है। सिर्फ स्पेक्ट्रम आवंटन अटका है, क्योंकि विदेशी निवेश की मंजूरी और सुरक्षा शर्तों का परीक्षण बाकी है। स्टारलिंक ने जमीनी ढांचा विकसित करने के लिए जियो और भारती एयरटेल से साझेदारी भी की है और जियो के मालिक मुकेश अंबानी ही हैं। तो अंबानी पर कटाक्ष का अर्थ क्या है? सीधा अर्थ है कि मस्क सुरक्षा शर्तों में ढील चाहते हैं और यह भी कि सैटेलाइट फोन के क्षेत्र में कोई भारतीय कंपनी उनके मुकाबले आगे न बढ़े, क्योंकि अंबानी भी यह महत्वाकांक्षा रखते हैं।

ऐसे समय, जब केंद्र सरकार नीट और एसआइआर पर घरेलू राजनीति में घिरी है, मस्क की टिप्पणी मौके का फायदा उठाने की चाल है। ऐसा लगता है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस सोची-समझी चाल पर बिना सोचे प्रतिक्रिया दे दी- भारत में स्वागत है एलन, जब तक दूसरा शख्स न मिले इंतजार करें। जबकि, स्टारलिंक के जियो और एयरटेल से समझौते पर तब कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी।घरेलू मोर्चे पर सरकार को घेरना एक बात है और अंतरराष्ट्रीय दांव-पेचों में शामिल होना दूसरी। क्या सुरक्षा की चिंता किए बिना किसी सैटेलाइट कंपनी को इसलिए मंजूरी दे देनी चाहिए कि उसके मालिक अंबानी-अदाणी नहीं, मस्क हैं? दूसरी बात यह है कि विदेशी कंपनी के आगे भारतीय कंपनी को तरजीह क्यों नहीं मिलनी चाहिए, भले ही वह अंबानी या अदाणी की ही क्यों न हो, जिनकी मोनोपॉली विपक्ष के लिए घरेलू मुद्दा है? मस्क जैसे लोग नई तकनीकों से मानवता की भलाई के लिए भले ही ढेरों काम कर रहे हों, पर इससे शायद ही कोई इनकार करे कि आर्थिक और राष्ट्रीय हितों के टकराव में उनका व्यवहार पराया ही रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में ऐसे तकनीकी महारथियों से सावधान रहना होगा, न सिर्फ सत्ता पक्ष को बल्कि विपक्ष को भी। माना कि शंख मस्तिष्क विहीन होते हैं पर शंख से जुड़े किसी न किसी को तो यह जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी कि कोई विदेशी फूक शंख के माध्यम से देश का वातावरण बिगाड़ न पाए।



मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा।
सोहन : नहीं यार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

●●●●

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा।
ड्राइवर : अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

●●●●

एक यात्री किसान से : अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।
किसान : बिलकुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

●●●●

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला : मुझे चश्मा बनवाना है।
डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।
लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

●●●●

किसी के सुतली में बंधे रुपए गिरे हैं क्या। एक आदमी ने बाजार में खड़े होकर पूछा।
मेरे गिरे हैं। एक साथ कई लोग बोले। आदमी बोला : मुझे तो सिर्फ सुतली ही मिली है।

●●●●

मेहमान : क्या बात है, मैं जब भी खाना खाता हूं, आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।
मेजबान : क्योंकि हमारा कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

●●●●

संजय : मदन तुम बात करते समय हमेशा अपने मुंह में शकर क्यों रख लेते हो।
मदन : क्योंकि मास्टरजी ने हमेशा मीठा बोलने को कहा है।

●●●●

सेठजी कार से जा रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। धक्का लगा तो उन्होंने ड्राइवर से पूछा। ड्राइवर बोला : सामने एक पत्थर आ गया था।
सेठजी : तो हार्न क्यों नहीं बजाया।

रोमांचक यात्रा

विक्की स्कूल से बाहर निकला तो देखा, शाम का अंधेरा घिरने लगा था। आज स्पोर्ट्स प्रेक्टिस में काफी देर लग गई। घर के पास चौराहे पर पहुंच उसने सोचा, 'सड़क-सड़क जाऊंगा तो रास्ता लम्बा पड़ेगा। घर के पिछवाड़े खेत से छोटा पड़ेगा।'

लकड़ी का गेट खोल वह खेत की पगडंडी पर चल दिया। मौसमी सब्जियां खूब लगी थीं। अंधेरा न हुआ होता तो विक्की दो-तीन खीरे तोड़कर खा चुका होता। पर शाम के बाद पेड़-पौधे भी सो जाते हैं, मम्मी ने बताया था। चलते-चलते उसने चारों तरफ नजर डाली। लगा खेत के सब पौधे ऊंघने लगे थे। 'अरे, यह कद्दू?' विक्की ठिठका। सुबह तो कद्दू छोटा सा था। दिन भर में ही इतना बड़ा कैसे हो गया। वह देखने के लिए झुका। कुछ साफ दिखाई नहीं दिया। एकदम अंधेरा घिर आया। 'कल देखेंगे', सोच वह घर की तरफ बढ़ गया।

खाना खाते वक्त उसने मम्मी से कद्दू की बात की। 'टहनी पर लगे फल-सब्जी एक दिन में बड़े नहीं हो जाते। वक्त लगता है। अंधेरे में परछाई-वरछाई पड़ रही होगी।' विक्की को लगा, मम्मी की बात ही ठीक होगी। अगली सुबह न जाने क्यों विक्की खेत के रास्ते से हो स्कूल के लिए चला। कद्दू की बेल के पास आ ठिठका, देखा और हंस दिया, 'यह तो कल सुबह जितना छोटा ही है। रात जरूर किसी चीज की परछाई पड़ रही होगी।' आज उसकी आठवीं क्लास की प्रेक्टिस कुछ पहले खत्म हो गई। दसवीं के बच्चे अभी प्रेक्टिस कर रहे थे।

घर के पास वाले चौराहे पर आ विक्की ठिठका। फिर कुछ सोच सड़क छोड़, खेत के अन्दर से जाने लगा। 'ओह..तो..' विक्की बुदबुदाया। सुबह वाला छोटा सा कद्दू आज फिर बड़ा था। उसने चारों तरफ देखा। अभी अंधेरा नहीं हुआ था। दिन की रोशनी। परछाई के भ्रम का तो सवाल ही नहीं। उसने गौर से देखा। इस बेल में इतने बड़े कद्दू लगते ही नहीं। उसे लगा कद्दू बहुत धीरे-धीरे बड़ा हो रहा है। 'कोई जादू है क्या?' विक्की को आनन्द आने लगा '..हमारे खेत में जादू का कद्दू..।' उसने कहीं पढ़ा था कि भूत या जादू की बातें रात को होती हैं। उसने मन ही मन कुछ फैसला किया और घर चला आया। आज उसने मम्मी से कुछ नहीं कहा। रात के साढ़े ग्यारह बजे, घर के सब लोग सो चुके थे। विक्की बिस्तर से उठ चुपचाप खेत की तरफ चल दिया। कद्दू की बेल के पास पहुंच विक्की हैरान। कद्दू इतना बड़ा हो चुका था, जैसे खूब बड़ा मूढ़ा। 'हे भगवान! यह माजरा क्या है?' तभी विक्की को जैसे करंट लगा। उसने देखा, कद्दू बेल से अलग हो धीरे-धीरे ऊपर उठने लगा, जैसे हवाई जहाज टेक-ऑफ के बाद ऊपर उठता है। विक्की को पता नहीं क्या सूझा, वह उछल कर कद्दू पर बैठ गया। जो डंडी बेल से अलग हुई, वह इतनी बड़ी थी कि विक्की उसे दोनों हाथों से पकड़ आराम से बैठ गया। कद्दू ऊपर उठ हवा में उड़ने लगा। विक्की को जरा भी डर नहीं लगा। उसे खूब आनन्द आ रहा था। ऊपर से शहर कितना अच्छा लगता है। रात की ठंडी हवा..ऊपर आसमान में चमकते सितारे, नीचे शहर की सड़कों पर जलती बिजली की रोशनी। घरों, पेड़ों और नदी के ऊपर से होता हुआ कद्दू उड़े जा रहा था।

'क्या हम परीलोक जा रहे हैं,' विक्की ने सोचा।

बहुत देर उड़ते रहने के बाद कद्दू नीचे उतरने लगा। विक्की ने कस कर डंठल को पकड़ लिया। नीचे झांका। एक छोटी-सी बस्ती। छोटी साफ-सुथरी सड़कें। छोटे-छोटे घर। 'इतने छोटे घरों में कौन रहता होगा?' तभी कद्दू नीचे उतर रुक गया। उसके उतरते ही चारों तरफ से दौड़-दौड़ कर किस्म-किस्म के सब्जी व फल वहां जा पहुंचे।

'महाराज आ गए। महाराज की जय हो।' सबने आकर कद्दू को प्रणाम किया। महाराज ने मुस्करा कर सबका अभिवादन स्वीकार किया। छोटी सी लौकी बार-बार सामने आ उछल रही थी। महाराज ने उसे प्यार किया, 'कैसी हो छोटी? बहुत खुश लग रही हो।'

विक्की हैरानी से नजारा देख रहा था। डंठल के चारों तरफ का गड्ढा इतना बड़ा था, वह आराम से उसमें बैठा था। सामने एक छोटा सा झरना था। झरने के पानी में ढेरों सब्जियां नहा रही थीं।

'ओ..ये छोटे घर सब्जियों के हैं और यह बस्ती भी सब्जियों की लगती है।' तभी वहां एक आलू आया। खूब बड़ा। शोर उभरा, 'मंत्रीजी आ गए।'

मंत्री ने आकर राजा को प्रणाम किया।

'चलें महाराज? सभा में सब आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

'..हां, तुम सब यहीं रहो। महाराज जरूरी मीटिंग के लिए जा रहे हैं।' महाराज और मंत्री दोनों बस्ती के दूसरे छोर की तरफ चले। घरों से निकल सभी सब्जियां 'प्रणाम महाराज', कह अभिवादन कर रही थीं।

'पाय लागू महाराज', अचानक इस आवाज से महाराज ठहर गए।

'कौन है?'

एक छोटी-सी भिंडी सकुचाती हुई सामने आई।

'तुम हो? पाय लागू कहां से सीख लिया? मां ने सिखाया होगा?'

भिंडी शरमा कर घर में भाग गई।

आगे जाकर एक छोटे से मैदान में 5-6 बुजुर्ग सब्जियां, मतलब राजसभा के सदस्य बैठे थे।

महाराज ने सबका प्रणाम स्वीकार किया और अपनी गद्दी पर बैठ गए। उन्होंने बैंगन से कहा, 'अपनी रिपोर्ट दो।' 'महाराज। एक अफवाह तेजी से फैल रही है कि पड़ोस की सब्जी-नगरी का कद्दू राजा हमारे राज्य पर अधिकार करना चाहता है।' कटहल ने कहा, 'आपकी छत्रछाया में हम सब यहां कितने सुख और प्यार से रह रहे हैं। हम दूसरे को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

'किसी ने उसे देखा है?' आलू ने कहा, 'देखा तो नहीं। पर, सुना है, एक दो दिन में हमला कर सकता है।'

'तुम्हें जो योजना बताई थी, याद है?' मिर्ची के बीज रख दिए हैं। उनके पीछे.., महाराज ने बीच में रोक दिया, 'उसके बाद किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

लम्बी छरहरी इमली ने कहा, 'महाराज! आप यहां से चले क्यों गए? आपके बिना हमें डर लगता है।'

महाराज जोर से हंसे, 'तुम्हें डर लगता है? तू तो अपनी खटास से किसी को भी बदहवास कर सकती है। तैयार रहना।'

'मैं तैयार हूं महाराज।' कद्दू ने कुछ देर मंत्रणा की। फिर कहा, 'अब हम चलते हैं। कल आएंगे। जैसे समझाया है, सब वैसे करना। हमें कोई जीत नहीं सकेगा।'

कद्दू उड़ कर वापस विक्की के खेत में आ अपनी जगह बैठ गया। विक्की उतर कर घर चला आया। उसे बहुत मजा आ रहा था। कद्दू की सवारी में तो खूब आनन्द आया। पर सब्जियों के राज्यों में भी युद्ध होता है। कद्दू ने कहा था वह कल भी जाएगा...हम कल भी जाएंगे।

विक्की अगली रात भी खेत में पहुंच गया। कद्दू जैसे उसी का इंतजार कर रहा था। उसके बैठते ही उड़ चला। विक्की को लगा आज कद्दू कल से ज्यादा बड़ा है। उसको बैठने के लिए खूब जगह मिल गई। विक्की अपने साथ तेज धार वाला बड़ा चाकू ले आया था, ..शायद जरूरत पड़ जाए।' सब्जी बस्ती में उतरते ही अजीब सा खौफ भरा सन्नाटा नजर आया। आलू ने बताया कि पक्की खबर मिली है कि वह आज हमला करेगा।

कद्दू ने कहा, 'हम आ गए हैं। घबराओ मत। तुम सब तैयार रहना। हम थोड़ा ऊपर उठ कर उसे देखने की कोशिश करते हैं।' कद्दू ऊपर उठा। कहीं कोई नजर नहीं आया। वह और ऊपर उठा। अचानक एक तरफ से पहाड़ सा कद्दू आकर इस कद्दू को टक्कर मारने को तैयार हुआ।

'आज हम तुझे मार कर इस बस्ती पर अधिकार कर लेंगे', कह कर कद्दू पर झपटा। वह टक्कर मारने वाला था कि चीख मार कर गिरने लगा। सबने देखा, उसका पेट फट गया था। बीज, गूदा सब बाहर निकल आया। वह मर रहा था। नीचे गिरते हुए उसकी चीखें धीमी पड़ती जा रही थीं।

नीचे किसी को समझ नहीं आया कि यह चमत्कार कैसे हो गया। विक्की का चाकू। बड़े कद्दू को पास आते देख विक्की ने चाकू उसके पेट में घुसेड़ दिया।

महाराज नीचे उतरे। मोटा कद्दू चारों खाने चित्त पड़ा था।

बस्ती वालों की जय-जयकार से आसमान गूंज उठा, 'हमारे महाराज सर्वश्रेष्ठ...महाराज की जय हो.. अब कोई दुश्मन हमारी तरफ आंख उठा कर नहीं देखेगा।'

जश्न के बाद कद्दू वापस जाने के लिए ऊपर उठा। खेत में आ अपनी जगह बैठ गया।

विक्की





छोटी गर्दन वाला सफेद गैंडा

बड़े सिर और भारी शरीर वाला सफेद गैंडा, गैंडों की पांच बड़ी प्रजातियों में से एक है और यह कुछ हाथियों की तरह दुनिया के बड़े स्तनपायियों में से एक माना जाता है।

लेकिन भारी शरीर के साथ इसकी गर्दन छोटी और छाती चौड़ी होती है। नर सफेद गैंडे का वजन 2300 किलोग्राम होता है। अब तक के सबसे बड़े गैंडे का वजन 4500 किलोग्राम तक रिकॉर्ड किया गया है। इस जानवर में एक खास बात यह है कि इसकी नाक पर दो सींग होते हैं, जो कैरोटिन के बने होते हैं। इस गैंडे में एक खास चीज और होती है, वह है इसके पीठ पर उठा हुआ कूबड़। घास को अच्छी तरह से खाने के लिए इसके पास चौड़ा मुंह होता है। वैसे तो इसके कान सब कुछ सुन लेते हैं, लेकिन यह ज्यादातर समय सूंघकर ही अपना काम चलाता है। इसकी नाक धरती पर पाए जाने वाले सभी जानवरों में सबसे चौड़ी होती है। यह 40 से 50 साल तक जीवित रह सकता है।

निर्दयी शिकारी है टिम्बर भेड़िया

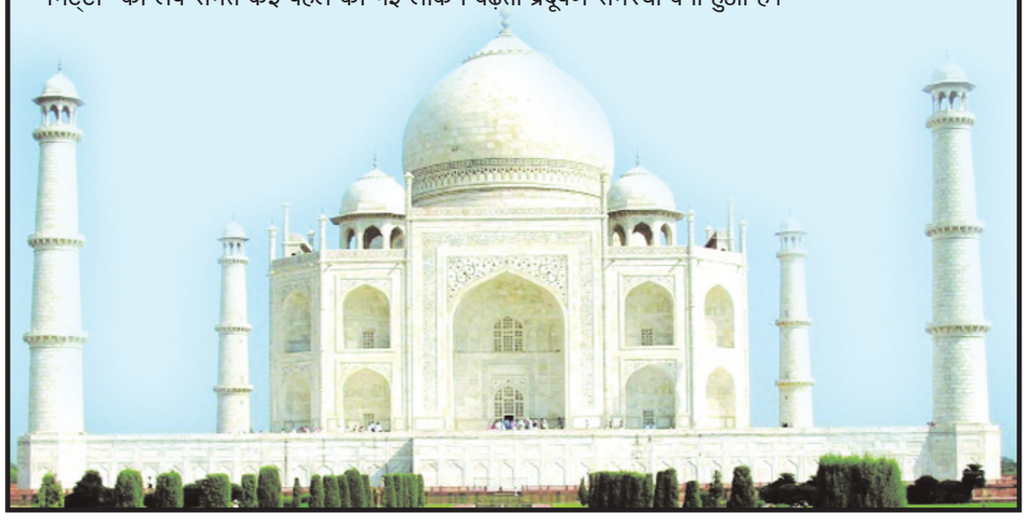


अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाया जाने वाला 'टिम्बर भेड़िया' देखने में हालांकि कुत्ते जैसा ही प्रतीत होता है किन्तु यह इतना शक्तिशाली होता है कि बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मार डालता है। लगभग डेढ़ मीटर लम्बा भेड़ियों की विशेष प्रजाति का सदस्य 'टिम्बर भेड़िया' सूंघकर नहीं बल्कि देखकर शिकार करता है। भूरे रंग का यह भेड़िया देखने में काफी सुंदर लगता है किन्तु इसे बहुत ही निर्दयी शिकारी माना जाता है, जो इतना ताकतवर जानवर है कि यह 'इल्क' जैसे बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मौत की नींद सुला डालता है। बस, एक बार कोई शिकार इनकी नजर में आ जाए, फिर उसका बचना लगभग नामुमकिन होता है। टिम्बर भेड़िए तब तक उसका पीछा नहीं छोड़ते, जब तक कि शिकार इनकी गिरफ्त में न आ जाए। बहुत दूर तक अपने शिकार का पीछा करने के बाद जब टिम्बर भेड़िया शिकार को दबोचने में सफल हो जाता है तो बुरी तरह उस पर टूट पड़ता है और बहुत ही निर्दयता से उसे मार डालता है। यही वजह है कि टिम्बर भेड़िया को एक 'निर्दयी शिकारी' भी कहा जाता है। अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाए जाने वाले टिम्बर भेड़िए की तादाद अन्य भेड़ियों की तुलना में बहुत अधिक होती है, जहां भूरे रंग के टिम्बर भेड़िए ही बहुतायत में पाए जाते हैं। हालांकि टिम्बर भेड़ियों की गहरे भूरे रंग, हल्के लाल रंग तथा सफेद रंग की प्रजातियां भी पाई जाती हैं किन्तु ये प्रजातियां बहुत दुर्लभ हैं। टिम्बर भेड़िए के शरीर पर भूरे रंग की बहुत घनी और मुलायम फर होती है। इसकी करीब आधा मीटर लंबी पूंछ झाड़ियों जैसी घनी होती है।

जाने ताजमहल की कुछ अनसुनी बातें

मुमताज महल और शाहजहां के प्रेम का प्रतीक है ताजमहल। इसके निर्माण से संबंधित बहुत सारी कथाएं प्रचलित हैं। अपनी चौदहवीं संतान को जन्म देने के उपरांत बुरहानपुर में मुमताज महल की मौत हो गई। उनके पार्थिव शव को छह महीने तक इसी स्थान पर दफना कर रखा गया और कुछ समय बाद शव को कब्र से निकाल कर शाहजहां अपने साथ आगरा ले गए और उसे ताजमहल में दफनाया गया।

ताजमहल भारत का गौरव है और वह दुनिया के 8 अजूबों में से एक है। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ था। इस स्मारक को बनाने में पूरे बाइस साल (1630-1652) लगे। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह खूबसूरत महल प्यार का प्रतीक माना जाता है। हर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है। यह 400 वर्ष पुराना है और इसका निर्माण 20 हजार मजदूरों ने रात-दिन काम करके चमकीले सफेद संगमरमर से बेहतरीन मुगल वास्तुकला के नमूने के रूप में किया था। जो ईरानी और भारतीय शैलियों का सुमेल है। ताज परिसर में कदम रखते ही आप मंत्रमुग्ध हो जाते हैं कि इतनी खूबसूरत रचना मनुष्य ने कैसे की होगी। पूरे परिसर में सजावट के रूप में कुरान की आयतें उकरी हुई हैं। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह मेहराबरूपी गुंबद के नीचे है और यहां एक वक्राकार गेट के जरिए पहुंचा जा सकता है। 300 मीटर का वर्गाकार चार बाग भी ताजमहल की शोभा बढ़ाते हैं। इसमें कई उठे हुए रास्ते हैं, जो बाग को 16 फूलों की क्यारियों में बांटते हैं। ताजमहल की सुंदरता का कोई भी बखान नहीं कर सकता। ताजमहल के वजूद पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यमुना नदी में पानी का स्तर कम होने के कारण ताजमहल की नींव में लगी लकड़ी सूख रही है जिससे ताजमहल के अस्तित्व को भयानक खतरा हो सकता है। अन्य कारणों पर दृष्टिपात करें तो आगरा में ताजमहल के आसपास के इलाकों में औद्योगिक इकाइयों के खुलने के कारण इस धरोधर के क्षतिग्रस्त होने की आशंकाएं बढ़ गई हैं साथ ही खतरा इस इमारत की खूबसूरती पर दाग लगने का भी बढ़ रहा है। ताजमहल पर 'मुलतानी मिट्टी' का लेप समेत कई पहल की गई लेकिन बढ़ता प्रदूषण समस्या बना हुआ है।



न्यूज इन शॉर्ट

राज्यपाल श्री रमेन डेका से प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों ने आज लोकभवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। खिलाड़ी छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष श्री किशोर महानंद के साथ राज्यपाल से मिलने पहुंचे थे। राज्यपाल श्री डेका ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया और आगामी प्रतियोगिताओं में सफलता की शुभकामनाएं दीं।राज्यपाल से भेंट करने वालों में अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर श्री प्रदीप क्षत्री एवं श्री लखपति सिंदूर, वेटलिफ्टर श्री कैलाश सिक्का, बास्केटबॉल खिलाड़ी कु. सौपी सिक्का, थाई बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता कु. मानसी तांडी, सॉफ्टबॉल खिलाड़ी कु. गंगा सोना एवं कु. प्रतिमा सोना, फुटबॉल खिलाड़ी श्री बोस्टो तांडी एवं श्री राजेश महानंद, कराटे खिलाड़ी कु. लक्षिता तांडी, किक बॉक्सिंग खिलाड़ी कु. रीयाशा बाघ, पावरलिफ्टर कु. प्रिया हरपाल तथा 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन-5' के विजेता श्री रितेश पाल शामिल थे।

राज्यपाल से गेड़ी नर्तक अनिल गढ़ेवाल ने की भेंट

राज्यपाल से गेड़ी नर्तक अनिल गढ़ेवाल ने की भेंट रायपुर।राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध गेड़ी लोक नर्तक एवं लोक श्रृंगार भारती, बिलासपुर के संचालक श्री अनिल कुमार गढ़ेवाल ने अपने सहयोगी श्री लक्ष्मी नारायण मांडले के साथ सौजन्य भेंट की। उल्लेखनीय है की श्री गढ़ेवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के गेड़ी लोक नृत्य दल ने 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह तथा 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम में गेड़ी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी थी। इन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजनों में छत्तीसगढ़ की लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रदर्शन कर दल ने प्रदेश को गौरवान्वित किया। राज्यपाल श्री डेका ने श्री गढ़ेवाल एवं उनकी टीम के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकनृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। ऐसे कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की लोककला और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।राज्यपाल ने श्री गढ़ेवाल एवं उनके सहयोगियों को लोककला के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने तथा भविष्य में भी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

बिहान के सहयोग से सहाना अंसारी ने शुरू किया किराना व्यवसाय

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं को आजीविका से जोड़ने की बिहान योजना की मदद से सूरजपुर जिले की श्रीमती सहाना अंसारी ने किराना दुकान शुरू की है। स्व-सहायता समूह से जुड़कर वे पिछले तीन वर्षों से आजीविका गतिविधि चला रही हैं। दुकान से होने वाली आय से वे घर के खर्च और बच्चों की पढ़ाई में सहयोग कर रही हैं।ग्राम पंचायत दतिमा, जनपद पंचायत भैयाथान की निवासी सहाना अंसारी बताती हैं कि बिहान योजना के माध्यम से उन्हें 60 हजार रुपये का ऋण मिला था। इस राशि से उन्होंने किराना दुकान शुरू की। अब दुकान की आमदनी से बच्चों की स्कूल फीस, किताबें और कॉपियों जैसी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है।श्रीमती सहाना के लिए दुकान रोजगार का माध्यम होने के साथ आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार भी बनी है। वे कहती हैं कि आमदनी भले ही सीमित हो, लेकिन इससे परिवार के भरण-पोषण और बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है।वे बिहान योजना को अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला माध्यम मानती हैं। श्रीमती सहाना अंसारी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताती हैं कि स्व-सहायता समूह के जरिए मिले ऋण ने उन्हें अपना रोजगार शुरू करने का अवसर दिया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रीमती सहाना अंसारी की कहानी बताती है कि

प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में दंतेवाड़ा ने रचा इतिहास, राष्ट्रीय स्तर पर मिला 'सर्वश्रेष्ठ जिला' पुरस्कार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ ने कृषि विकास, किसान कल्याण और ग्रामीण समृद्धि के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले को देशभर में 'सर्वश्रेष्ठ जिला' के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों, कृषि क्षेत्र में नवाचार, प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व और मैदानी स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण परिणाम है।



राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दंतेवाड़ा जिले को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। जिले की ओर से कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव और उप संचालक कृषि श्री सूरज कुमार पंसारी ने संयुक्त रूप से पुरस्कार ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर दंतेवाड़ा जिले के किसानों, जिला प्रशासन और कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ के मेहनतकश अन्नदाताओं के परिश्रम, शासन की किसान कल्याणकारी नीतियों और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप कृषि को आधुनिक, लाभकारी और समृद्धि का आधार बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विशेष रूप से बस्तर जैसे यह उपलब्धि पूरे

मिनीमाता महतारी जतन योजना बनी ग्रेसी जैकब का सहारा, बेटी के पालन-पोषण के लिए मिले 20 हजार रुपये

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बेटी के जन्म की खुशी के साथ उसके बेहतर पालन-पोषण की जिम्मेदारी निभा रही खोंगापानी निवासी श्रमिक महिला ग्रेसी जैकब के लिए मिनीमाता महतारी जतन योजना आर्थिक सहारा बनकर सामने आई है। छत्तीसगढ़ शासन की इस योजना के तहत उन्हें 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली है। इस राशि का उपयोग वह अपनी नवजात बेटी के पोषण, देखभाल और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई ग्रेसी जैकब की यह कहानी बताती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरत के समय श्रमिक परिवारों को किस तरह आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं।

बेटी के जन्म पर मिली खुशियां, योजना से मिला आर्थिक संबल

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के नगर खोंगापानी निवासी ग्रेसी जैकब श्रमिक परिवार से जुड़ी हैं। बेटी के जन्म के बाद परिवार में खुशी का माहौल है। इसी बीच मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने परिवार को आर्थिक राहत पहुंचाई है। नवजात शिशु के जन्म के बाद पोषण, कपड़े, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य आवश्यकताओं पर होने वाले खर्चों को पूरा करने में यह राशि मददगार साबित हो रही है। ग्रेसी जैकब ने बताया कि योजना के तहत प्राप्त सहायता राशि का उपयोग वह अपनी बेटी की जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं। मातृत्व के समय मिली इस आर्थिक मदद से उन्हें बच्ची की बेहतर देखभाल करने में सहयोग मिला है। श्रमिक परिवार के लिए यह सहायता ऐसे समय में उपयोगी साबित हुई है, जब नवजात शिशु के पालन-पोषण के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता होती है।

मिनीमाता महतारी जतन योजना का संचालन छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा किया जाता है। योजना के तहत पात्र पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद एकमुश्त 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य मातृत्व के दौरान महिला श्रमिकों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना तथा नवजात शिशु के पालन-पोषण और आवश्यक देखभाल में मदद करना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए महिला श्रमिक का मंडल में निर्धारित अवधि से पंजीकृत होना आवश्यक है। इस सहायता से आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों को प्रसव के बाद होने वाले आवश्यक खर्चों को पूरा करने में राहत मिलती है।

बेटी की बेहतर परवरिश में मददगार बनी योजना

ग्रेसी जैकब के लिए योजना से मिली राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अपनी नवजात बेटी की बेहतर परवरिश में सहयोग का माध्यम बनी है। वह इस राशि का उपयोग बच्ची के पोषण, कपड़ों और दैनिक जरूरतों पर कर रही हैं। इससे परिवार को अतिरिक्त खर्चों का प्रबंधन करने में मदद मिल रही है। ग्रेसी जैकब की कहानी उन श्रमिक महिलाओं के लिए भी उपयोगी उदाहरण है, जिन्हें मातृत्व के दौरान आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। योजना के माध्यम से मिलने वाली राशि नवजात शिशु की शुरुआती जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार को आर्थिक राहत प्रदान करती है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई मातृत्व सहायता की कहानी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई ग्रेसी जैकब की कहानी श्रमिक कल्याण योजनाओं के महत्व को रेखांकित करती है। मिनीमाता महतारी जतन योजना के माध्यम से मिली 20 हजार रुपये की सहायता ने बेटी के जन्म के बाद परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दिया

आई-गाट प्रशिक्षण कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को किया सम्मानित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस, समयबद्ध उपस्थिति और आई-गाट में प्रशिक्षण कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया। मुख्य सचिव ने सम्मान प्राप्त करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

श्री विकासशील ने कहा की मंत्रालय में अधिकारी-कर्मचारी समय पर अपनी उपस्थित दर्ज कर रहे है। मुख्य सचिव ने कहा कि मंत्रालय में 10 बजे से पूर्व आने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मुख्य सचिव ने मासिक सम्मान कार्यक्रम में ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा कार्यालयीन समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने वाले मंत्रालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को सितम्बर माह के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

विभागीय श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन ई-ऑफिस पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभागों में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग प्रथम, आदिम जाति विकास विभाग द्वितीय तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग तृतीय स्थान पर रहा।

संयुक्त सचिव श्रेणी में आदिम जाति विकास विभाग के श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत प्रथम, अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के श्री अनुपम त्रिवेदी द्वितीय तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के श्री सचिदानंद आलोक तृतीय स्थान पर रहे। उप सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग की श्रीमती लवीना पाण्डे प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के श्री किशोर कुमार भूआर्य द्वितीय तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के श्री दूरदेशी राम सोन्टापर तृतीय स्थान पर रहे।अवर सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग के श्री पूरन लाल साहू प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के श्री भूपेन्द्र सिंह राजपूत द्वितीय, गृह विभाग के श्री सोनचंद साहू तृतीय स्थान पर रहे। अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के श्री विरेन्द्र कुमार प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की श्रीमती पी.दुर्गा द्वितीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के श्री शिवकुमार गोड़ तृतीय स्थान पर रहे। सहायक अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की श्रीमती वर्षा रानी अग्रवाल प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के बेरनाथ कूजूर द्वितीय, की सुश्री प्रिया बागड़े तृतीय स्थान पर रही।

राज्यपाल से गेड़ी नर्तक अनिल गढ़ेवाल ने की भेंट



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध गेड़ी लोक नर्तक एवं लोक श्रृंगार भारती, बिलासपुर के संचालक श्री अनिल कुमार गढ़ेवाल ने अपने सहयोगी श्री लक्ष्मी नारायण मांडले के साथ सौजन्य भेंट की।

उल्लेखनीय है की श्री गढ़ेवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के गेड़ी लोक नृत्य दल ने 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह तथा 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम में गेड़ी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी थी। इन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजनों में छत्तीसगढ़ की लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रदर्शन कर दल ने प्रदेश को गौरवान्वित किया।

राज्यपाल श्री डेका ने श्री गढ़ेवाल एवं उनकी टीम के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकनृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। ऐसे कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की लोककला और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने श्री गढ़ेवाल एवं उनके सहयोगियों को लोककला के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करने तथा भविष्य में भी छत्तीसगढ़ पहुंचाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

'परंपरागत कार्य को व्यवसायिक साधन बनाकर आगे बढ़ रहीं हैं

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मेहनत करने वाले आदिवासी किसान परिवार की महिला की एक सोच से अब उनका पारंपरिक कार्य उनके परिवार का मुख्य व्यवसाय बन गया है। साधारण श्रमिक परिवार की महिला को बिहान की मदद ने एक सफल कृषि व्यवसायी बना दिया है। बिहान के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी पारंपरिक आजीविका गतिविधियों को सुदृढ़ कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी का प्रेरणादायक उदाहरण हैं कोरिया जिले के ग्राम फूलपुर की श्रीमती पद्मावती, जिन्होंने बकरी पालन जैसी पारंपरिक आजीविका गतिविधि को आय के मजबूत साधन के रूप में विकसित कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलने का काम किया है। श्रीमती पद्मावती अब दर्जनों बकरियों का शेड संचालित कर रही हैं और इससे उनकी निश्चित आय हो रही है। उनके परिवार का मूल कार्य अब उनके व्यवसाय और आय का साधन बन गया है।

बदलाव का दौर



पद्मावती के जीवन में आर्थिक बदलाव की शुरुआत ओम शुभम महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद हुई। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत समूह के माध्यम से उन्हें बचत, वित्तीय सहयोग और आजीविका संवर्धन के अवसर प्राप्त हुए। उन्होंने समूह से अस्सी हजार रूपए का ऋण प्राप्त कर अपनी पारंपरिक बकरी पालन गतिविधि को व्यवसाय की तरह आगे बढ़ाया। उन्होंने अपनी मेहनत और पशुपालन संबंधी अनुभव का उपयोग करते हुए इस गतिविधि को अधिक व्यवस्थित एवं आयमूलक बनाया। अब यह कार्य करते हुए वह अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं।

निश्चित आय से निश्चिंतता

आज पद्मावती की कुल वार्षिक आय लगभग दो लाख रूपए तक पहुंच गई है। यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत, पारंपरिक कौशल और समूह से प्राप्त आर्थिक सहयोग का सकारात्मक परिणाम है। पहले जहां सीमित संसाधनों के कारण बकरी पालन का विस्तार चुनौतीपूर्ण था, वहीं आज यही गतिविधि उनके परिवार की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बन गई है।

आर्थिक प्रगति से बदला माहौल

पारंपरिक पशुपालन से आर्थिक प्रगति करने वाली पद्मावती के सामाजिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है। स्वयं की आजीविका को सुदृढ़ करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है तथा परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण हुई है। पद्मावती कहती हैं कि मन का काम शुरू हो गया है और अब कोई चिंता नहीं है। पद्मावती की सफलता यह दर्शाती है बिहतर प्रबंधन के माध्यम से आर्थिक समृद्धि का आधार बन सकती हैं।

डिप्टी-कलेक्टर पर 3 करोड़ और लग्जरी कार मांगने का आरोप

रायपुर।छत्तीसगढ़ के रायपुर की रहने वाले पूजा बंजारे ने अपने पति डिप्टी कलेक्टर मनोज बंजारे के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है। स्वढ्ढक्रके मुताबिक, पति और ससुराल पक्ष पर लग्जरी कार के साथ 2 से 3 करोड़ रुपए दहेज में मांगने का आरोप है।पत्नी का कहना है कि, मांग पूरी नहीं होने पर उसे प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला महिला थाने इलाके का है।

शादी के दूसरे दिन से दहेज को लेकर ताने मारे

शिकायत के अनुसार, पूजा की शादी जुलाई 2024 में धमतरी के जोधापुर वार्ड निवासी मनोज बंजारे से हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने सोने के जेवर और घरेलू सामान दिया था। आरोप है कि, शादी के दूसरे दिन से ही कम दहेज लाने को लेकर ताने दिए जाने लगे।ससुराल पक्ष कथित तौर पर कहता था कि, डिप्टी कलेक्टर होने के कारण मनोज की शादी किसी संपन्न परिवार में होती तो करोड़ों रुपए और लग्जरी कार मिलती।

जमीन बेचकर 2 से 3 करोड़ रुपए लाने का दबाव

पूजा ने आरोप लगाया कि, जनवरी 2025 में पति ने मायके की जमीन बेचकर 2 से 3 करोड़ रुपए लाने का दबाव बनाया। रकम लाने में असमर्थता जताने पर मारपीट किए जाने की शिकायत भी की गई है।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।